संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 202
पृष्ठ 8
रविवार
13 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्किन चमकाने से लेकर बालों तक...

विचार- युद्धों के कारण मानवीय संकट...

खेल- शिक्षा पूरी नहीं कर पाने का अफसोस...

रायगढ़ किले में बोले अमित शाह

कांग्रेस नियंत्रित एजेएल पर बड़ा एक्शन-

शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं, उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा

ईडी ने संपत्तियों पर कब्जे के लिए जारी किया नोटिस

मुंबई केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रायगढ़ किले में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी यह यात्रा शिवाजी महाराज की समाधि के जीर्णोद्धार के शताब्दी समारोह के अवसर पर भी हुई। शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के अलावा भाजपा नेता और शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का अप्रैल 1680 में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के

कारण रायगढ़ किले में निधन हो गया था।

शाह ने कहा कि न किस्मत उनके साथ थी, न अतीत उनके साथ था, न धन था, न सेना थी। एक बालक ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निश्चय से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। देखते ही देखते उसने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद करा दिया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हमारा संकल्प है कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तब हमारा भारत दुनिया में नंबर 1 होगा, शिवाजी ने अपना मूल सपना रखा था। शाह ने दावा किया कि शिवाजी महाराज की विरासत सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि देश और दुनिया को उनके आदर्शों की जरूरत है।

शाह का यह दौरा राज्य में बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें औरंगजेब और शिवाजी महाराज जैसे ऐतिहासिक व्यक्तियों की विरासत को लेकर बहस तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री रायगढ़ और नासिक जिलों के लिए संरक्षक मंत्रियों की विवादास्पद नियुक्ति के संबंध में महायुति गठबंधन के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुष्टि की कि शाह राज्य एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे से दोपहर के भोजन के लिए अपने आवास पर मुलाकात करेंगे, उनके साथ सीएम फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी होंगे। पवार ने संवाददाताओं से कहा, बैठक के दौरान रायगढ़ और नासिक के लिए संरक्षक मंत्री का मुद्दा उठने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किए हैं। ईडी ने ये नोटिस कांग्रेस नियंत्रित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपतियों को लेकर दिया गया है। जिन्हें मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) मामले की जांच में कुर्क किया था।

संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली में आईटीओ में मौजूद हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित परिसर और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल बिल्डिंग में ये नोटिस चिपकाए हैं। नोटिस में परिसर खाली करने या (मुंबई की संपत्ति के मामले में) किराए का हस्तांतरण ईडी को करने की मांग की गई है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत यह कार्रवाई की है। जो सरकारी एजेंसी को कुर्क की गई और न्यायाधिकरण (पीएमएलए) की तरफ से पुष्टि की गई संपत्तियों को

कब्जे में लेने की प्रक्रिया के इजाजत देती है। इन अचल संपत्तियों को ईडी ने नवंबर 2023 में कुर्क किया था। धन शोधन का मामला एजेएल और यंग इंडियन के खिलाफ है। बता दें कि, कांग्रेस समर्थित दैनिक समाचार पत्र नेशनल हेराल्ड एजेएल की तरफ से प्रकाशित किया जाता है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी यंग इंडियन के सबसे बड़े शेयरधारक हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। ईडी ने आरोप लगाया, श्यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपये के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपये के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपये के फर्जी विज्ञापनों के लिए इस्तेमाल किया गया।

जम्मू-कश्मीर: किश्तवाड़ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। सेना की उत्तरी कमान ने शनिवार सुबह कहा, " खराब मौसम के बावजूद किश्तवाड़ के

चटरू में चल रहे अभियान में दो और पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया है।" सेना ने कहा कि एक एके और एक एम4 राइफल समेत बड़ी मात्रा में युद्ध जैसा सामान बरामद किया गया है। सेना ने पहले कहा था कि एक आतंकवादी मारा गया, जिसके बाद गोलीबारी बंद हो गई। उन्होंने कहा, "अभियान जारी था और फिर से हुई गोलीबारी में दो और आतंकवादी मारे गए।" उन्होंने कहा कि अभियान जारी है।

सेना ने आतंकवादियों के घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

श्रीनगर। जम्मू के सुंदरबनी सेक्टर के केरी बट्टल इलाके में सेना ने शुक्रवार रात आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। मुठभेड़ में एक जूनियर

कमीशन अधिकारी (जेसीओ) शहीद हो गया। सेना ने शनिवार को श्एक्सश पर लिखा, "जीओसी व्हाइट नाइट कोर और सभी रैंक 9 पंजाब के बहादुर उप निरीक्षक कुलदीप चंद के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। उन्होंने 11 अप्रैल की रात को सुंदरबनी के केरी बट्टल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ विरोधी अभियान का बहादुरी से नेतृत्व करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।" सेना ने कहा, "उनकी टीम की वीरता और उप निरीक्षक कुलदीप के बलिदान ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हम इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।"

राहुल ने युवा कपड़ा डिजाइनरों से की मुलाकात, उद्योग से जुड़ी चुनौतियों की ली जानकारी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रतिभाशाली युवा कपड़ा डिजाइनरों से मिलकर इस उद्योग से जुड़ी चुनौतियों तथा इसमें निहित पूर्वाग्रहों को लेकर जानकारी हासिल की है। श्री गांधी ने शनिवार को कहा कि कुशल युवाओं को उपेक्षा और अन्याय का ही नहीं, बल्कि उन्हें अवसरों और प्रोत्साहन की कमी का सामना भी करना पड़ता है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या एक ओबीसी युवा इंडियन फैशन का टॉप डिजाइनर बन सकता है। उन्होंने कहा, "मैं आज तक कपड़ा डिजाइन के उद्योग में शीर्ष पर किसी ओबीसी से नहीं मिला। ये बताया विक्की ने, एक युवा जिसने अपने हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपना व्यापार बनाया है। उनकी फैक्टरी के कारीगर 12-12 घंटे तपस्या करते हैं, सुई ध्ागे से जादू बुनते हैं – मगर हाल वही, हुनर की कदर नहीं। बाकी उद्योगों की तरह ही कपड़ा और फैशन क्षेत्र में भी बहुजनों के पास न तो प्रतिनिधित्व है, न इसकी शिक्षा तक पहुंच, और न ही नेटवर्क में जगह।" श्री गांधी ने कहा, "विक्की जैसे होनहार लोगों से मिलकर मैं उनका काम सीखने की कोशिश करता हूं, ताकि दुनिया को भारतीय युवाओं का असली हुनर दिखे – ये पता चले कि काबिल और मेहनती होते हुए भी ये युवा उपेक्षा और अन्याय के चक्रव्यूह में फंसे अभिमन्यु हैं।

तहव्वुर के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने वाले क्या दाऊद को नहीं ला पाने का भी जिम्मा लेंगे- कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की होड़ में शामिल

लोगों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम तथा अन्य आतंकवादियों का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने का जिम्मेदार कौन है।

पार्टी ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय दिया जा रहा है और श्रेय लेने की होड़ मची है, लेकिन सच यह है कि यह लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है और इसकी शुरुआत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने शुरू ही नहीं की बल्कि इसमें तेजी भी ला दी थी, लेकिन अब श्री मोदी को इसका श्रेय देने वालों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम, डेविड हेडली, विजय माल्या आदि का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने की जिम्मेदारी किसे दी जानी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा, "आज एक होड़ मची है कि किसी भी तरीके से तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय नरेन्द्र मोदी और सिर्फ नरेन्द्र मोदी को मिले। जबकि सच यह है कि यह प्रत्यर्पण हमारी एजेंसियों के 15 वर्षों की मेहनत का परिणाम है।"उन्होंने तहव्वुर राणा प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की कहानी बताते हुए कहा, "आइए क्रोनोलॉजी समझते हैं। अक्टूबर 2009 में डेविड हेडली और तहव्वुर राणा डेनमार्क में आतंकवादी हमले की साजिश में पकड़े गए थे। खुलासा हुआ कि वे मुंबई के आतंकवादी हमले की साजिश में भी शामिल रहे हैं। फिर संप्रग सरकार ने उस पर कई धाराएं लगाकर उसे आतंकवादी गतिविधियों का आरोपी बनाया। अमेरिका ने उसे आतंकवादी हमले की साजिश से बरी कर दिया तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका की इस कार्रवाई पर निराशा व्यक्ति की लेकिन कूटनीतिक तथा कानूनी प्रयास जारी रखे। इसके बावजूद अमेरिकी सरकार उसको लेकर खुफिया जानकारी देती रही।"

उन्होंने कहा, "इसी बीच विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद तथा विदेश सचिव अमेरिकी प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखते रहे और साल 2014 में संप्रग सरकार गई, लेकिन उन्हीं नीतियों के सहारे सरकार इस मामले को आगे बढ़ाती रही। जो दस्तावेज संप्रग सरकार के समय इस मामले में इकट्ठे किए गए थे, उन्हें आगे बढ़ाया गया और उसी का परिणाम है कि आज इस आतंकवादी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी हुई है, जिसकी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया जा रहा है और ऐसा करने वाले लोगों को यह भी बताना चाहिए कि डेविड हेडली, दाऊद इब्राहिम, मेहुल चौकसी, नीरज चौधरी, विजय माल्या आदि जा प्रत्यर्पण नहीं हो पाने का श्रेय किसको दिया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा, "हम श्रेय पर विश्वास नहीं करते हैं लेकिन भारत की सुरक्षा का मामला हो, भारत के हितों की बात हो तो हम सरकार के साथ खड़े हैं।"

मध्यप्रदेश सरकार दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए आंबेडकर जयंती पर नयी योजना शुरू करेगी

इंदौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. बी आर आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके नाम से नयी योजना शुरू करेगी।

यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, "राष्ट्रीय दूध उत्पादन में मध्यप्रदेश की भागीदारी करीब नौ प्रतिशत है। हमारी सरकार ने गोवंश के संरक्षण के जरिये इस भागीदारी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए हम 14 अप्रैल को डॉ. बी आर आंबेडकर जयंती के मौके पर उनके नाम से नयी योजना शुरू करेंगे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से राज्य में दूध उत्पादन में इजाफा होगा और किसानों की आय बढ़ेगी। देश में उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। यादव ने कहा, "हम दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश को देश का नम्बर एक राज्य बनाएंगे।" उन्होंने बताया कि प्रदेश के बड़े शहरों में 10,000 से ज्यादा गायों

की क्षमता वाली गोशालाओं का निर्माण किया जा रहा है ताकि खासकर बीमार और बेसहारा गायों को बचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने आंबेडकर की जन्मस्थली महू के पास आशापुरा गांव में इंदौर नगर निगम की "कामधेनु गोशाला" की नींव रखी जहां 25 हेक्टेयर क्षेत्र में 10,000 से ज्यादा गायों को रखने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने हनुमान जयंती पर इंदौर के पितृ पर्वत पर पूजा-अर्चना भी की जहां भगवान हनुमान की विशाल मूर्ति स्थित है।

बस-ट्रक की टक्कर में दो लोगों की मौत, 15 घायल

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर एक डबल डेकर बस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य घायल हो

गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना जिले के छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत चौराहे के पास शुक्रवार मध्यरात्रि के आसपास हुई। पुलिस ने बताया कि गोरखपुर की ओर से आ रहा एक ट्रक विक्रमजोत चौराहे पर संतोष कुमार की दुकान के पास खराब हो गया। ट्रक में खराबी आने के बाद चालक ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। कुछ देर बाद, गोरखपुर से लखनऊ जा रही एक तेज रफ्तार डबल डेकर बस ने ट्रक के पिछले हिस्से में इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि ट्रक और बस के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री बस के अंदर ही इधर-उधर उछल गए और कुछ यात्रियों को कई चोटें आईं। विक्रमजोत चौकी के प्रभारी रितेश सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को विक्रमजोत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गई।

पुलिस के मुताबिक इस दुर्घटना में बिहार और राजस्थान के बच्चों और बुजुर्गों समेत 15 लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में बिहार के गोपालगंज, सीवान, मोतिहारी और अन्य जिलों के निवासी हैं, साथ ही कुछ राजस्थान के भी हैं। कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए अयोध्या के दर्शन नगर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि घायलों में से सात की हालत गंभीर है। पुलिस ने पुष्टि की है कि टक्कर के कारण दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

राष्ट्रपति को तीन महीने में विधेयकों पर फैसला करना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट की अभूतपूर्व टिप्पणी

नई दिल्ली। पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक टिप्पणी में सलाह दी है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर राज्यपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गए अपने फैसले में यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास लंबित 10 विधेयकों को पारित करने का आदेश दिया। ये विधेयक राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने के चलते लंबित किए हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को यह फैसला दिया था और फैसले की कॉपी बीती रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुई है।

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव देते हुए राष्ट्रपति के पास विधेयकों को लंबित रखने की समयसीमा भी तय करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की अध्यक्षता वाली पीठ ने 8 अप्रैल को दिए अपने फैसले में कहा कि श्हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा को अपनाए जाने को उचित समझते हैं और ये सलाह देते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ आरक्षित विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना जरूरी है। पीठ ने कहा कि इस समयसीमा से ज्यादा की देरी होने पर उचित कारण देने होंगे और इस बारे में संबंधित राज्य को सूचित करना होगा। राज्यों को भी सहयोगात्मक होना चाहिए और विधेयक को लेकर उठाए जा रहे सवालों के उत्तर देकर सहयोग करना चाहिए और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर तेजी से विचार करना चाहिए। पीठ ने अपने फैसले में राज्यपाल द्वारा विधेयक को दूसरे राउंड में भी राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने को अवैध बताया। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को शक्ति देता है कि वे उनके पास मंजूरी के लिए आने वाले विधेयक को लेकर असहमति जता सकते हैं या फिर इसे राष्ट्रपति के विचार करने के लिए भेज सकते हैं। पीठ ने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 200 में विधेयक को मंजूरी देने की कोई समयसीमा तय नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं है कि राज्यपाल विधेयक को लंबे समय तक रोके रखें और राज्य की कानून बनाने वाली व्यवस्था में अवरोधक बन जाएं।

भ्रष्टाचार रोकने को शिक्षा विभाग में ई-फाइलिंग की मांग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) के प्रांतीय महाधिवेशन एवं शैक्षिक विचार गोष्ठी के दूसरे दिन केपी कम्युनिटी सेंटर में शिक्षक नेताओं ने मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। संगठन के प्रदेश महामंत्री लालमणि द्विवेदी ने कहा कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों में ई-फाइलिंग लागू होनी चाहिए तथा मुख्यमंत्री के

आदेश एवं शासनादेश के अनुसार प्रत्येक काउंटर (पटल) पर अधिकतम तीन दिन में फाइलों का निस्तारण सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में डॉ. के. कस्तूरीरंगन की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में श्राज्य शिक्षा आयोगश की स्थापना की जाए तथा 18 वर्ष तक के बच्चों को आरटीई एक्ट के अंतर्गत शामिल कर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था की जाए। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान की जाए तथा वर्ष 2014 से नियुक्त शिक्षकों की सामूहिक बीमा कटौती शुरू कराई जाए। प्रदेश के सभी वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में छात्र संख्या के सापेक्ष मानक के अनुसार शिक्षकों की संख्या का निर्धारण कराया जाए तथा उसके सापेक्ष कार्यरत शिक्षकों का ब्योरा विभाग द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड कराया जाए।

समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही कराएं प्रवेश

प्रयागराज। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025–26 में सभी राज्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही प्रवेश के निर्देश दिए गए हैं। शासन के विशेष

सचिव शिपू गिरि ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलसचिव और उच्च शिक्षा निदेशक को नौ अप्रैल को इस संबंध में पत्र लिखा है। पत्र के अनुसार शासन के संज्ञान में आया है कि कुछ विश्वविद्यालय प्रस्तावित कॉमन एडमिशन पोर्टल के कारण अपनी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं। कॉमन एडमिशन पोर्टल एवं समर्थ पोर्टल का एडमिशन मॉड्यूल अलग-अलग हैं, जिसका एक-दूसरे से कोई पारस्परिक संबंध नहीं है। लिहाजा सभी विश्वविद्यालयों एवं उनसे संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों-महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल पर पूर्व से उपलब्ध एडमिशन मॉड्यूल के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें।

पेयजल संकट से निपटने को जलकल ने खुद शुरू की तैयारी

प्रयागराज। शहर की एक तिहाई आबादी को पेयजल संकट से बचाने के लिए जलकल विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। यमुना का जलस्तर घटने पर जलकल पिछले साल की तरह फिर यमुना में सबमर्सिबल पंप लगाएगा। यह काम पहले जल निगम को सौंपा गया था। जल निगम एक साल में पेयजल संकट से बचाने की योजना नहीं बना पाया, तब जलकल ने अपनी

तैयारी शुरू की है। पिछले साल यमुना का जलस्तर कम होने पर शहर के बड़े हिस्से में पानी का संकट गहराया तो जलकल ने सबमर्सिबल पंप अस्थायी मदद ली थी। उसी समय जल निगम को यमुना का जलस्तर कम होने के बाद भी शहरवासियों को जरूरत का पानी उपलब्ध कराने के लिए स्थायी योजना बनाने के लिए कहा गया था। तब से महीनों बीत गए और जल निगम योजना नहीं बना सका। मार्च में यमुना का जलस्तर कम होने लगा तो जल निगम ने सुधि ली और यमुना में समबर्सिबल पंप लगाने का डीपीआर तैयार करना शुरू किया। जलकल प्रबंधन यह मानकर चल रहा है कि डीपीआर तैयार होने और शासन से बजट मिलने तक यमुना का जलस्तर बेहद कम हो जाएगा। ऐसे में सबमर्सिबल पंप लगाने की जरूरत होगी। ऐसे में जलकल जोखिम उठाना नहीं चाहता। जलकल के अधिशासी अभियंता शिवम मिश्रा ने बताया कि इस बार सबमर्सिबल पंप से इनटेक वेल में पानी न उड़ेलकर सीधे खुसरोबाग के पाइप से जोड़ देंगे, ताकि पंप से निकलने वाला पानी सीधे खुसरोबाग के जलाशय में पहुंचे। अधिशासी अभियंता के मुताबिक जल निगम की योजना में विलंब होने के कारण जलकल इस साल भी सबमर्सिबल पंप लगाने का निर्णय लिया।

पुरनियों ने ताजा की पुरानी यादें

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शताब्दी पुरुष छात्रावास के द्विसाप्ताहिक उद्बोधन में आकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ शनिवार सुबह दस बजे से हो गया है। पुराछात्र हॉस्टल में पहुंच कर पुरानी यादों को ताजा किया। अंतरूवासियों को सफलता का टिप्स भी दिए। देर शाम काव्यांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रयागराज के प्रमुख कवियों की उपस्थिति रहेगी। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग पांडेय और महापौर गणेश केसरवानी होंगे। शुक्रवार को वाद-विवाद, भाषण तथा क्विज का आयोजन किया गया।

पानी न मिलने से मुश्किल में जिंदगानी, जल कर के बोझ से दबी हजारों आबादी

प्रयागराज। पुराने शहर के करेली में पेयजल समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। पिछले डेढ़ साल से घरों में पानी नहीं आ रहा है। एनुद्दीनपुर, मुन्ना मस्जिद, जेके नगर आदि इलाकों में टैंकर के सहारे जलापूर्ति की जा रही है, जो इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी साबित हो रही है। हालत यह है कि टैंकर आने से पहले बाल्टी-डिब्बे लेकर कतार खड़े हो जाते हैं। टैंकर पहुंचने पर पानी के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। कई बार बगैर पानी मायूस होकर लौटना पड़ता है। पीने का पानी लोगों को खरीदना पड़ रहा है। इसके लिए हर परिवार को करीब दो हजार का अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। एक तरफ पानी के जद्दोजहद करनी पड़ रही है तो वहीं, वाटर टैक्स का बोझ भी लोगों पर लादा जा रहा है। करीब 2000 की आबादी पीने के पानी के लिए भटक रही है। हालांकि स्थानीय पार्षद सहित तमाम समाजसेवी इसके समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। लेकिन हालात जल्द सुधरने के आसार नहीं दिख रहे हैं। पेयजल समस्या के साथ ही यहां बदहाल सड़कें और सफाई व्यवस्था का अभाव लोगों के लिए परेशानी है।

करेली में करीब एक दर्जन मोहल्ले भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। अरसे से कई घरों की टोटियां सूख चुकी हैं। कुछ घर तक पानी पहुंचता भी है तो 10-20 मिनट। इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं मिल पा रहा है। बीते रमजान के महीने में लोगों को सहरी एवं इफ्तारी के समय पानी के लिए परेशान होना पड़ा। स्थानीय लोगों को इस बात का भी मलाल है कि ईद पर भी पानी के लिए कतार लगानी पड़ी। गौस नगर, जेके नगर, मुन्ना मस्जिद, जिकरा माडल स्कूल, एनुदघ्दीनपुर आदि बस्तियों में हालात बेहद खराब हैं। टैंकर के सहारे पानी पहुंचाया जा रहा है, जो इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी है। जिस दिन टैंकर नहीं आता उस दिन पानी भी नहीं मिलता

है। टैंकर पहुंचने पर पहले पानी लेने की होड़ में कई बार धक्कामुक्की भी हो जाती है। आठ से 10 सदस्य के परिवार में करीब दो हजार रुपये प्रतिमाह पीने के पानी पर खर्च किया जाता है। अल्प आय वर्ग और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह रकम काफी भारी पड़ रही है। लेकिन, पानी की जरूरत ही कुछ ऐसी है कि इसे चाह कर भी लोग नजरअंदाज नहीं कर पाते। इन सबके बावजूद पानी का भारी भरकम बिल भेजा जाना स्थानीय लोगों की जेब पर भारी बोझ जैसा है। लोगों का आरोप है कि मनमाने तरीके से पानी का बिल भेजा रहा है। शिकायत करने पर कोई सुनने वाला नहीं है। बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी जा रही है। उनका कहना है कि जब पानी खरीदकर ही प्यास बुझानी है तो वाटर टैक्स का बोझ क्यों लादा जा रहा है। पार्षद आजाद अहमद का कहना है कि इस गंभीर समस्या से महापौर को अवगत कराया जा चुका है। यहां के लिए एक अतिरिक्त नलकूप भी पास हो चुका है। लेकिन मामला फाइलों में अटका है। नया नलकूप लगने के बाद ही समस्या का स्थाई हल हो सकेगा।

सड़कें ऐसी की वाहनों के कलपुर्जे हो रहे खराब

करेली की अधिकांश सड़कें बदहाली का शिकार हैं। कई जगह तो सड़क बनाई ही नहीं जा रही है। गौस नगर, जेके नगर, एनुद्दीनपुर सहित अधिकांश मोहलों की सड़कों पर बड़े-बड़े गडध्ढे हो गए हैं। सड़क पर गिटघ्टी बिखरी है। जरा सी चूक राहगीरों को दर्द दे रही है। सड़क की हालत ऐसी है कि वाहनों के शॉकर समय से पहले दम तोड़ दे रहे हैं। कलपुर्जे ढीले हो जा रहे हैं। खस्ताहाल सड़क पर दस मिनट का सफर तय करने में आधे घंटे तक लग जाते हैं। स्मार्ट सिटी में बस्तियों की ये हालत सवाल खड़े कर रही है।

पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त, जगह-जगह जलभराव

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के कारण कई जगह सड़क और गलियों में जलभराव है। गंदा पानी और कीचड़ के कारण मच्छरों की तादात बढ़ती जा रही है। लोगों की रातों की नींद उड़ी है। दिन में भी सुकून नहीं मिल रहा है। क्वायल और स्प्रे आदि भी काम नहीं कर रहे। गंदगी एवं जलभराव के कारण मच्छर एवं जलजनित रोगों के फैलने का खतरा मंडराने लगा है। समय रहते कार्रवाई न की गई तो तमाम बस्तियों में डायरिया, हैजा, उल्टी दस्त सहित डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारी पनप सकती है।

पूरे इलाके में पेयजल के लिए हाहाकार मचा है। टैंकर से पानी भेजा जा रहा है जो लोगों की जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहा।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों से जलजमाव और गंदगी फैल रही है, बीमारी फैलने का पूरा अंदेशा है।

सड़कों व गलियों की हालत बेहद खराब है। कहीं-कहीं तो सड़क ही नहीं बनाई गई है।

पानी न आने के बावजूद लोगों को भारी भरकम बिल भेज दिया गया है, कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

पेयजल आपूर्ति के लिए नया नलकूप लगाकर पूरे इलाके में पाइप लाइन डाली जानी चाहिये।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को चिह्नित कर उसे बदला जाना चाहिए और जरूरत के अनुसार मरम्मत करानी चाहिए।

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने के साथ ही जहां सड़क नहीं है वहां निर्माण कराना चाहिए।

शिविर लगाकर लोगों के बिल का संशोधन करने और बिल की अदायगी में छूट दी जानी चाहिए।

नलों में पानी नहीं आ रहा फिर भी वाटर टैक्स भेज रहे हैं। टैंकर के सहारे जलापूर्ति की जा रही है जो इतने बड़ी आबादी के लिए नाकाफी है।

पानी की समस्या लंबे समय से है। लोग शिकायत करते हैं फिर भी समाधान नहीं कर रहे। जहां पाइप लाइन नहीं है वहां भी बिल भेजा जा रहा है।

गलत बिल भेजने से लोग परेशान हैं। पानी देते नहीं भारी भरकम बिल भेजकर वसूली का दबाव बनाते हैं। कनेक्शन काटने की धमकी दी जा रही है।

मनमाना बिल भेज कर लोगों को परेशान किया जा रहा है। शिकायत पर अधिकारी सुनते नहीं हैं। लोगों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे लोग परेशान हैं।

पानी की समस्या जटिल रूप ले चुकी है। रमजान के महीने में भी लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ा। ईद पर भी पानी की समुचित व्यवस्था नहीं की गयी।

टैंकर आने से पहले ही लाइन लग जाती है। पानी के लिए मारामारी मची रहती है। टैंकर से जितना पानी मिलता है, उससे लोगों का काम नहीं चल पा रहा है।

नलों में अरसा हो गया पानी आए लेकिन बिल समय पर भेजा जा रहा है। वाटर टैक्स को लेकर लोग परेशान हैं लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हैं।

यहां पानी की समस्या से सभी परेशान हैं। लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है जिससे लोगों का प्रति माह डेढ़ से दो हजार तक खर्च करना पड़ रहा है।

छह इंच की पाइप के स्थान पर 12 इंच की पाइप डालनी चाहिये। तभी घरों में पानी की सप्लाई पर्याप्त हो सकेगी। पाइप पतली होने से प्रेशर कम रहता है।

सड़कों की हालत बेहद खराब है। कई जगह तो सड़क का अस्तित्व मिट गया है। वाहनों के शाकर बैठ जा रहे हैं। बाइकों के टायर ट्यूब भी खराब हो रहे हैं।

जगह-जगह पाइप लाइन टूटी है। रास्ते पर कीचड़ और पानी भरने से लोग परेशान हैं। बीमारी फैलने का अंदेशा है। शिकायतें अनसुनी कर दी जा रही है।

पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है। टैंकर आने का लोग इंतजार करते रहते हैं लेकिन जरूरत के मुताबिक पानी नही मिलता। परेशानी विकराल है।

बमुश्किल 20 मिनट सप्लाई की जाती है, उसमें भी प्रेशर इतना कम रहता है कि एक बाल्टी भरना भी मुश्किल हो जाता है। पानी खरीद कर पी रहे हैं।

नलकूप लगवा कर पेयजल की समस्या दूर की जा सकती है। लेकिन, ऐसा किया नहीं जा रहा। लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

जहां पाइप लाइन नहीं पहुंची है वहां भी बिल भेज दिया जा रहा है। एक तरफ तो पानी के लिए लोग परेशान हैं वहीं मनमाना बिल तकलीफ बढ़ा रहा है।

एक साल से भी अधिक समय से लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। निगम में शिकायत की गई। जल संस्थान के अधिकारी भी सुनने को तैयार नहीं हैं।

– ईद के दौरान भी लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। यह समस्या पूरे साल की बन चुकी है। नहाने, कपड़े साफ करना तो दूर गला तर करने का संकट है।

जिकरा माडल स्कूल के पास नलकूप लगाया जाएगा। प्रस्ताव पास हो चुका है। नलकूप लगाए जाने की कर्रवाई जारी है। शीघ्र ही नलकूप लगने से इलाके में पीने के पानी का संकट दूर हो जाएगा।

– कुमार गौरव, महाप्रबंधक जलकल

पानी की समस्या गंभीर है। समाधान के लिए सालभर से प्रयास किया जा रहा है। महापौर से लिखवाकर नए नलकूप के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। एक साल से कागजी कार्रवाई चल रही है। लेकिन अभी तक नलकूप नहीं लग सका है। – आजाद अहमद, पार्षद करेली

चिकन के शौक में फंसा फर्जी सर्जन हजारों ऑपरेशन करने का किया था दावा

प्रयागराज। मध्य प्रदेश के दमोह से फरार कथित हार्ट सर्जन की पांच दिन पहले नैनी स्थित ओमेक्स टाउनशिप के फ्लैट से गिरफ्तारी के बाद रोचक जानकारी सामने आई है। कथित हार्ट सर्जन चिकन खाने के शौक की वजह से दमोह पुलिस के हत्थे चढ़ गया था। मिशनरी अस्पताल दमोह में कथित हार्ट सर्जन ने 15 मरीजों के हार्ट का ऑपरेशन किया था। इसमें सात मरीजों की

मौत के बाद से वह फरार हो गया था। मध्य प्रदेश पुलिस की मानें तो कथित हार्ट सर्जन नरेंद्र जॉन केम चिकन खाने का शौकीन है। उसने लेब्राडोर ब्रीड का एक कुत्ता भी पाल रखा था। उसे भी फ्रेश चिकन बहुत पसंद था। अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 511 में रहते हुए उसने गूगल पर सर्च कर नजदीकी चिकन शॉप की तलाश की। इसके बाद जेयू चिकन एंड एग शॉप एडीए कॉलोनी नैनी के नंबर पर फोन कर फ्रेश चिकन का ऑर्डर दिया। आरोपी ने चिकन विक्रेता को होम डिलिवरी के लिए लोकेशन व एड्रेस भेजकर मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। पहले से ट्रेस करने में लगी मध्य प्रदेश पुलिस छह अप्रैल को प्रयागराज पहुंची। स्थानीय पुलिस की मदद से चिकन विक्रेता से पूछताछ की। इसके बाद सात अप्रैल को चिकन विक्रेता के साथ अपार्टमेंट पहुंचकर कथित सर्जन को गिरफ्तार किया। शैक्षणिक प्रमाण पत्र व दस्तावेजों की जांच दमोह पुलिस दोबारा गुरुवार को आरोपी कथित सर्जन के फ्लैट पर पहुंची थी। वीडियोग्राफी के बीच पूरे फ्लैट की तलाशी की गई। पुलिस को नरेंद्र जॉन केम के शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले। पुलिस सामान सीज कर साथ ले गई है। पुलिस का कहना है कि उसके शैक्षणिक प्रमाण पत्र व दस्तावेजों की जांच की जाएगी। फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ अपने रेज्यूमे में हजारों मरीजों के ऑपरेशन करने की बात कही थी। इंदौर की एक रोजगार सलाहकार फर्म के संचालक ने शुक्रवार को यह दावा किया। संचालक ने बताया कि फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ नरेंद्र जॉन कैम ने नौकरी के लिए उसकी फर्म को 2020 से 2024 के बीच तीन बार अपना रेज्यूमे भेजा था। इसमें कहा गया था कि वह हजारों मरीजों के ऑपरेशन में शामिल रह चुका है।

धोखाधड़ी का नया पैंतरा! पति की हत्या, किसी और को पत्नी बना बेची एक करोड़ की जमीन

प्रयागराज। प्रयागराज में डॉ. एके बंसल की हत्या के बाद भूमाफियाओं ने उनकी लाखों की जमीन फर्जीवाड़ा कर बेच दी। जमीन की रजिस्ट्री के लिए डॉ. बंसल का आधारकार्ड का इस्तेमाल किया गया, तो दूसरी ओर एक महिला को डॉ. वंदना बंसल बनाकर हस्ताक्षर करा दिए। इस फर्जीवाड़ा की जानकारी मिलने पर डॉ. वंदना बंसल ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। एसीपी मेजा मामले की जांच कर रहे हैं। डॉ. वंदना बंसल के शिकायती पत्र के अनुसार मेजा तहसील के देवरी गांव में उनके पति डॉ एके बंसल के नाम पर जमीन थी। जमीन की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक है। डॉ एके बंसल की हत्या के बाद किसी ने फर्जीवाड़ा कर पह जमीन बेच दी। 23 फरवरी 2022 को कुछ लोगों ने तहसील मेजा उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत बैनामा कर दिया। जब इस फर्जीवाड़ा की जानकारी डॉ. वंदना बंसल को हुई वह परेशान हो गईं। उन्होंने तहसील मेजा से खतौनी लेकर देखा, तो पता चला कि उनकी जमीन फर्जी तरीके से बेची जा चुकी है। जमीन खरीदने और बेचने वालों की मिलीभगत से यह खेल किया गया है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। फर्जीवाड़ा की बात सामने आने पर एसीपी मेजा ने इस प्रकरण में जांच शुरू कर दी है। प्रयागराज में डॉ. एके बंसल की हत्या के बाद भूमाफियाओं ने उनकी लाखों की जमीन फर्जीवाड़ा कर बेच दी। जमीन की रजिस्ट्री के लिए डॉ. बंसल का आधारकार्ड का इस्तेमाल किया गया, तो दूसरी ओर एक महिला को डॉ. वंदना बंसल बनाकर हस्ताक्षर करा दिए। इस फर्जीवाड़ा की जानकारी मिलने पर डॉ. वंदना बंसल ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। एसीपी मेजा मामले की जांच कर रहे हैं। डॉ. वंदना बंसल के शिकायती पत्र के अनुसार मेजा तहसील के देवरी गांव में उनके पति डॉ एके बंसल के नाम पर जमीन थी। जमीन की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक है। डॉ एके बंसल की हत्या के बाद किसी ने फर्जीवाड़ा कर पह जमीन बेच दी। 23 फरवरी 2022 को कुछ लोगों ने तहसील मेजा उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत बैनामा कर दिया। जब इस फर्जीवाड़ा की जानकारी डॉ. वंदना बंसल को हुई वह परेशान हो गईं। उन्होंने तहसील मेजा से खतौनी लेकर देखा, तो पता चला कि उनकी जमीन फर्जी तरीके से बेची जा चुकी है। जमीन खरीदने और बेचने वालों की मिलीभगत से यह खेल किया गया है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। फर्जीवाड़ा की बात सामने आने पर एसीपी मेजा ने इस प्रकरण में जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने डॉ वंदना वंसल का बयान भी दर्ज किया, लेकिन मामले में अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। वहीं, एसीपी मेजा रवि गुप्ता ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। शिकायत पत्र के आधार पर आरोपियों को नोटिस भी भेजा गया है। मामले की जांच के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। जीवन ज्योति अस्पताल के अंदर 12 जनवरी 2017 को डॉ एके बंसल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नकाबपोश बदमाशों ने अस्पताल में ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार की थी। एसटीएफ ने इस प्रकरण का खुलाया किया था। बिहार के शिक्षा माफिया आलोक सिन्हा को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इस हत्याकांड में आज भी 50 हजार इनामी शूटर फरार है।

शिक्षा विभाग की योजनाओं का जायजा लेंगे अफसर

प्रयागराज। समग्र शिक्षा अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए सभी 18 मंडलों में एक-एक कमेटी गठित की गई है। प्रयागराज मंडल की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) राजकुमार को दी गई है। उनके साथ एससीईआरटी के उपनिदेशक प्रभात मिश्रा सहयोगी होंगे।

यह टीम सामुदायिक सहभागिता के तहत श्स्कूल चलो अभियानश में नवीन नामांकन एवं उसे श्डिजिटल प्रवेश पंजिकाश पर अंकित करने, सत्र 2025-26 में प्रोन्नत छात्रों को डीबीटी एप्पध्पोर्टल पर सत्यापित करने, चयनित विद्यालयों में श्लर्निंग बाई डूइंग कार्यक्रम संचालन और कक्षा चार से आठ तक पाठ्य-पुस्तकोंध्कार्यपुस्तिकाओं के वितरण की स्थिति देखेगी। निर्माण कार्य के तहत कम्पोजिट स्कूल ग्रांट की धनराशि के उपभोग, विद्यालय में 19 मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तीकरण, कक्षा छह से आठ व कक्षा तीन से पांच के लिए फर्नीचर आपूर्ति, मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय और मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था से अनुबन्ध के अलावा पीएमश्री के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों की स्थिति देखेगी। इसके अलावा गुणवत्ता शिक्षा, रिमीडियल शिक्षण, खेलकूद सामग्री व लाइब्रेरी बुक्स की खरीद, उपलब्धता एवं प्रयोग की स्थिति का जायजा लेगी।

जयकारों के बीच मंदिरों में उमड़ी भीड़

प्रयागराज। बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर व सिविल लाइंस हनुमत निकेतन सहित अन्य मंदिरों में हनुमत जन्मोत्सव के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में बजरंग बली का दर्शन व पूजन-अर्चन के लिए कतारें लगी

तो जय श्रीराम, जय-जय हनुमान व सियावर रामचंद्र की जय के जयकारों के बीच मंदिरों के परिसर में हनुमान चालीसा व सुदंरकांड का पाठ करते हुए दिखाई दिए। जन्मोत्सव व शनिवार का दिन होने की वजह से भी बंधवा वाले मंदिर में दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने निशान भी चढ़ाया। मंदिर के बाहर संगठनों की ओर से भंडारा भी चलाया गया।

अवैध अतिक्रमण चला प्रशासन का बुलडोजर

मथुरा। श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों द्वारा भारी संख्या में वृंदावन की परिक्रमा लगाई जाती है, जिसमें अवैध अतिक्रमण के दृष्टिगत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परिक्रमा लगाते हुए अवैध अतिक्रमण के कारण दो श्रद्धालुओं को चोट लग गई, जिससे वह घायल हो गए। निरंतर जिला प्रशासन को परिक्रमा मार्ग में बहुत असुविधा एवं अवैध अतिक्रमण होने की शिकायतें

प्राप्त होने पर जिला प्रशासन, नगर निगम, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण एवं पुलिस बल द्वारा वृन्दावन परिक्रमा मार्ग से दो स्थानों पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया है। जिला प्रशासन, नगर निगम एवं मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण ने परिक्रमा मार्ग पर निवासित लोगों से अपील की है कि जिन्होंने परिक्रमा मार्ग में अतिक्रमण कर रखा है, वह स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लें। विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने पर नियम अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी तथा अर्थ दंड भी लगाया जाएगा, जिसके लिए स्वयं अतिक्रमणकर्ता जिम्मेदार होगा।

निजी स्कूलों को नहीं मिलेगी लूट की छूट

-जिलाधिकारी बोले स्कूल प्रबंधकों की शीघ्र बुलाएंगें बैठक -समस्याओं के समाधान को संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

मथुरा। छात्रों व अभिभावकों की समस्याओं व प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही लूट के संदर्भ में अभिभावकों के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंप कर लूट मचाने वाले शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों के साथ विस्तृत रूप से वार्ता करने के बाद जिला अधिकारी द्वारा तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर शीघ्र एक बैठक प्रबंधकों के साथ बुलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लूट किसी भी शिक्षण संस्थान को करने नहीं दी जाएगी। अभिभावक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि निजी स्कूलों किताब, कापी, ड्रेस आदि के लिए दुकानें तय कर रखी हैं। जिन पर मनमानी कीमत पर बच्चों व अभिभावकों को किताब, बुक , ड्रेस आदि सामिग्री खरीदनी पड़ रही है । इसे तुरंत रोका जाए। इस अवसर पर संघ के संस्थापक शशिभानू गर्ग, अध्यक्ष हेमेंद्र गर्ग, मंत्री जगत बहादुर अग्रवाल, परग गुप्ता, सचिन अरोरा, आशीष वर्मा, सचिन चौधरी, आशीष गर्ग, श्रीकांत गुप्ता, राजीव बंसल, विजय चौधरी, सुधीर वर्मा, गगन बंसल आदि उपस्थित रहे। दूसरी ओर निजी शिक्षण संस्थानों के खिलाफ महानगर कांग्रेस ने भी प्रदर्शन किया।

लखनऊ में सीवर सफाई को मिली नई तकनीकी ताकत, महापौर ने किया सुपर शकर मशीन का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। शनिवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने कठौता स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कठौता एवं भरवारा झीलों की सिल्ट सफाई कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इसी अवसर पर लखनऊ शहर की सीवर सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के उद्देश्य से सुएज इंडिया द्वारा लाई गई अत्याधुनिक 'सुपर शकर मशीन' का भी शुभारंभ किया गया। इस मशीन में उच्च तकनीक का समावेश है, जो सीवर लाइनों की गहराई

में जाकर जमी हुई गंदगी एवं रुकावटों को तीव्र गति से साफ करने में सक्षम है। इससे सफाईकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और मानसून के समय जलभराव जैसी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहारूष्नगर निगम का निरंतर प्रयास है कि लखनऊवासियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए। सुपर शकर मशीन के माध्यम से हम सीवर सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावशाली और सुरक्षित बना पाएंगे। भविष्य में भी अत्याधुनिक तकनीक के उपकरण शामिल किए जाएंगे, जिससे नगर की सफाई व्यवस्था और अधिक सशक्त हो सके। सुएज इंडिया के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया कि यह पहल 'स्वच्छ लखनऊ, सुंदर लखनऊ' अभियान के अंतर्गत की गई है।

करणी सेना का प्रदर्शन,छावनी बना हजरतगंज, कई पदाधिकारी हाउस अरेस्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में क्षत्रिय समाज सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध को देखते हुए हजरत गंज इलाके में भारी फोर्स तैनात की गई है। करणी सेना, क्षत्रिय महासभा, राष्ट्रीय राजपूत महासभा समेत कई संगठनों के इकट्ठा होने के बाद से पुलिस अलर्ट है। हजरतगंज चौराहे पर पीएसी के साथ कई थानों की पुलिस फोर्स लगाई गई है।

बलरामपुर में स्कूल चलो अभियान रैली निकाल किया जागरूक

मथुरा। प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर के बच्चों व शिक्षकों ने गांव में स्कूल चलो अभियान रैली निकाली। इस रैली का उद्देश्य बच्चों को स्कूल में प्रवेश कराने के लिए अभिभावकों को प्रोत्साहित करना था।

जन जागरूकता रैली के दौरान शिक्षक, अभिभावकों को परिषदीय स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं, निश्शुल्क पाठ्य पुस्तकों, मध्यान्ह भोजन, डीबीटी, स्वच्छ व हवादार वातावरण व योग्य शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य कराए जाने की जानकारी देते हुए जागरूक करते हुए चल रहे थे। बच्चों ने एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा, सब पढ़ें सब बढ़ें, पढ़ी लिखी लड़की, रोशनी है घर की, मम्मी–पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ आदि नारों से लोगों को जागरूक किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक ने कहा कि शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन कराना

अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का प्रवेश नजदीकी परिषदीय विद्यालय में अवश्य कराएं।

रैली के समापन पर रैली में उत्साह से भाग लेने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष गुड्डी देवी, प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक, शिक्षिका ममता रानी, गीता सक्सेना, शिक्षामित्र अचल कुमार, प्रेम चंद्र, आंगनबाड़ी कार्यकत्री पूजा कुमारी, अभिभावक विमलेश देवी, गौरव, भूरी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

परिषदीय स्कूल में नवीन नामांकन को डोर टू डोर सम्पर्क कर रहीं शिक्षिकाएं

मथुरा। प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों के शिक्षक शिक्षिका भी स्कूल में बच्चों के नामांकन कराने को डोर टू डोर जाकर अभिभावकों से संपर्क कर रहे हैं।

महावन के प्राथमिक विद्यालय बंदी प्रथम के शिक्षिकाओं के द्वारा घर–घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया गया तथा सरकारी योजनाओं एवं सरकार से मिलने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। शिक्षिकाओं ने अभिभावकों को समझाया कि सरकारी विद्यालयों में बेहतर सुविधा और शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी विद्यालयों से पढ़ने वाले बच्चे सरकार की अनेक सुविधाओं को प्राप्त करते हैं।

सुधा वर्मा इंचार्ज प्रधानाध्यापिका के द्वारा बच्चों को बुला बुलाकर विद्यालय में उपलब्ध खेल खिलौने, टीवी के माध्यम

से पढ़ने तथा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के द्वारा पढ़ाए जाने के बारे में बताया गया।अभिभावकों ने अपने बच्चों का एडमिशन सरकारी विद्यालयों में कराने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर शिक्षिका श्रुति पांडेय,पूजा पाराशर भी उपस्थित रहे।

मायावती ने कहा, वक्फ पर संसद में नेता प्रतिपक्ष की चुप्पी से मुस्लिम समाज आक्रोशित

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने वक्फ कानून को लेकर लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के दौरान वक्फ बिल पर जिस तरह चुप्पी नेता प्रतिपक्ष ने साध रखी थी, इसे लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश है।

बसपा मुखिया मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में हुई लंबी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा कुछ नहीं बोलना, अर्थात सीएए की तरह संविधान उल्लंघन का मामला होने के विपक्ष के आरोप के बावजूद इनका चुप्पी साधे रहना क्या उचित है? इसे लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश और इनके इंडी गठबंधन में भी बेचौनी स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी देश में बहुजनों के हित, कल्याण एवं सरकारी नौकरी व शिक्षा आदि में इन वर्गों के आरक्षण के अधिकार को निष्प्रभावी व निष्क्रिय बनाकर उन्हें वंचित बनाए रखने के मामले में कांग्रेस, भाजपा आदि ये पार्टियां बराबर की दोषी हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इनके छलावे से बचना जरूरी है। मायावती ने कहा कि इनके ऐसे रवैयों के कारण उत्तर प्रदेश में भी बहुजनों की स्थिति हर मामले में काफी बदहाल व त्रस्त है जबकि भाजपाइयों को कानून हाथ में लेने की छूट है। साथ ही, बिजली व अन्य सरकारी विभागों में बढ़ते हुए निजीकरण से हालात चिंतनीय हैं। सरकार जनकल्याण का संवैधानिक दायित्व सही से निभाए। ज्ञात हो कि वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 कानून बन गया है। संसद के दोनों सदनों से पारित विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी है। वहीं, नए कानून को कांग्रेस, एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी (आप) ने अलग–अलग याचिकाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। यूपी में प्रदर्शन को लेकर पुलिस काफी अलर्ट है। धर्मगुरु भी अपील कर रहे हैं कि उग्र प्रदर्शन न करें। कुछ विपक्षी दल भी प्रदर्शन में सहयोग की बात कर रहे हैं।

इंदिरा नगर में व्यापारी संगोष्ठी एवं गठन बैठक का हुआ आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। शनिवार उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में मानस विहार ,इंदिरा नगर के सिटी कॉम्पलेक्स में व्यापारी संगोष्ठी एवं गठन बैठक का आयोजन हुआ। व्यापारी संगोष्ठी एवं गठन बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप मे संगोष्ठी को संबोधित किया व्यापारी संगोष्ठी एवं गठन बैठक में बड़ी संख्या में मानस विहार, इंदिरानगर, सुगामऊ रोड के व्यापारी उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से जुड़े तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल मानस विहार ,इंदिरा नगरष इकाई का गठन किया। नवगठित इकाई में गौतम सिंह को अध्यक्ष, सर्वेश सचान को महामंत्री ,गोरव बोस को कोषाध्यक्ष , इंद्र देव तनेजा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रीमती पूर्णिमा सक्सेना, श्रीमती मीता मेहरोत्रा, श्रीमती अजीता सिंह को उपाध्यक्ष, शुभांग श्रीवास्तव को संगठन मंत्री, श्रीमती शशि सिंह को विधि सलाहकार तथा नीलेश शुक्ला ,शंकर सोनी, हीरा सिंह, सोरभ को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। व्यापारी संगोष्ठी एवं गठन बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा व्यापार के क्षेत्र में उन्नति की असीम संभावनाएं हैं वर्तमान में व्यापार के क्षेत्र में कुछ चुनौतियां हैं लेकिन लगातार काम करने से सभी चुनौतियों का समाधान भी संभव है। उन्होंने कहा आत्मविश्वास दुनिया की सबसे बड़ी पूँजी है, आत्मविश्वास के बल पर कोई भी कार्य किया जा सकता है। व्यापारियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा बड़े से बड़े व्यापार का रोड मैप बनाए, आदर्श व्यापार मण्डल हर प्रकार का सहयोग करेगा उन्होंने कहा संगठन ई कॉमर्स प्लेटफार्म पर व्यापारियों को लाने के लिए भी तैयारी कर रहा है तथा व्यापारियों को अपने व्यापार के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी तो भी संगठन उसमें बैंकों के माध्यम से सहयोग कराएगा।

अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा आदर्श व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और लगातार करता रहेगा।

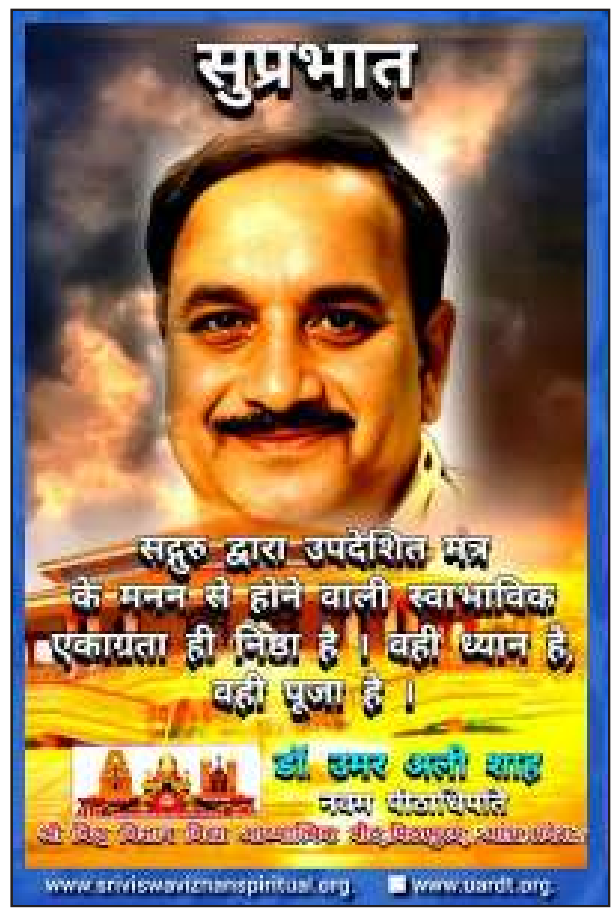

खुशी खड़ी है द्वार

(कुण्डलिया)

किसको यह परवाह है,खुशी खड़ी है द्वार।
अपने में ही मस्त हो,करते हैं तकरार।
करते हैं तकरार, स्वार्थ को आगे करके।
बेच रहे है प्यार, दुखों की झोली भरके।
पढ़कर इसे प्रदीप, बताते हैं यह सबको।
दूषित हुए विचार, सुहाते हैं कब किसको।।

भजते है जो राम को,उनके विमल विचार।
मीठी रख शब्दावली,बने प्रेम आधार।
बने प्रेम आधार,त्याग दुनिया की माया।
रहते हैं वह मौन,चमकती उनकी काया।
इनको देख प्रदीप, नमन कर,बातें सुनते।
मिलता है सुख–धाम, हमेशा हरि को भजते।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एक्सप्रेस वे फटा बैटरी से भीर मैक्स पिकअप गाडी टायर

-हादसे में एक बच्चे की मौत, 7 अन्य घायल

मथुरा। नौझील क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के माइन स्टोन 60 पर हुए दर्दनाक हादसे में एक एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हुए हैं। घायलों को पहले स्थानीय सीएचसी पर भर्ती कराया गया। गंभीर हालत में उन्हें जिला चिकित्सालय मथुरा के लिए रैफर कर दिया। हालांकि गाडी का चालक किसी तरह से बच निकला और मौके से फरार हो गया। एक्सप्रेस वे पर बैटरा बिखर गईं। यमुना एक्सपेस वे के माइलस्टोन 60 पर बैटरी और सवारियों से भरी मैक्स पिकअप का अचानक टायर फट गया। टायर फटने से अनियंत्रित हुए मैक्स पिकअप एक्सप्रेस वे पर पलट गई। गाडी और बेटरियों के नीचे सवारियां दब गईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकाला। नोएडा के चार मूर्ति सुपरटेक के रहने वाले बौबी (9 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में सिकंदरा निवासी चांद खान (47), उनकी पत्नी बचका, बेटी नजमा, रफीक और सलीम हैं। इनके अलावा रफीक के दो बच्चे रिजवान (4 वर्ष) और आदित्य (2 वर्ष) भी घायल हुए हैं। थाना प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि हादसे के बाद गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से गाड़ी को हटाकर यातायात सुचारु कर दिया है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृत ज्ञान परम्परा पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में शनिवार को संस्कृत ज्ञान परंपरा शोध आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व संस्कृत आचार्या प्रो. अनिता गोस्वामी स्मारक ग्रन्थमाला का प्रकाशन किया गया है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो. रामनाथ झा तथा रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी के संपादकत्व में

प्रकाशित इस पुस्तक में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के संदेश शुभकामना के साथ लब्धप्रतिष्ठ विद्वानों, शोधार्थियों के शोधपूर्ण आलेख प्रकाशित किये गये हैं। पुस्तक के अन्तर्गत वेद, व्याकरण , दर्शन, शैव, आगम, वैष्णव, धर्मशास्त्र, वेदान्त, संगीत, नाट्यशास्त्र, नई शिक्षा नीति इत्यादि चिन्तनपरक विषयों से आच्छादित आलेखों को समाहित कर संस्कृत ज्ञान परम्परा को अत्यधिक परिपुष्ट करने का प्रयास किया गया है। संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र तथा डॉ. प्रिया झा ने संयुक्त रुप से पुस्तक का विमोचन किया। विमोचन एवं विमर्श कार्यक्रम में शोधच्छात्र अनन्तजी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, नितिन त्रिपाठी, अंजलि गिरि , संदीप दुबे, आदित्यराज गिरि, निर्मल दुबे, शिवम मिश्र , हरिओम तिवारी, अनुराग आजाद, देवेन्द्र सिंह, प्रगति मिश्रा, अंजलि पाण्डेय, हंसमुख कुमारी, माधुरी, बिपिन मिश्रा, वन्दना कुमारी, श्रीनाथ , शाम्भवी द्विवेदी, शालिनी ,ऋषभ , विराज, उत्कर्ष, खुशी, रितु, दिव्या, दीक्षा, देवांश गोल्डी, पलक, आयुषी, आर्यन, सहित अनेक विद्यार्थी गणों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सम्पादकीय.....

ट्रंप का ट्रैरिफ

कहा जाता है कि जिद्द के पक्के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमतौर पर अपने फैसलों से पीछे नहीं हटते हैं। यदि ऐसा कोई कदम उठाते हैं तो उसे असामान्य बात ही कहा जाएगा। लेकिन हाल ही में उनके उस फैसले ने सबको चौंकाया है जिसमें उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत दुनिया के साठ देशों के खिलाफ घोषित 'पारस्परिक टैरिफ' को नब्बे दिनों को टालने की घोषणा की है। बहरहाल, उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। जो यह दर्शाता है कि अड़ियल माने जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप प्रतिकूल वैश्विक प्रतिक्रिया और घरेलू स्तर पर लगातार तेज होती असंतोष की आवाज से पूरी तरह से बेखबर नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने चीन के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की रफ्तार तेज कर दी है। अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाये जाने वाले कर की दर को बढ़ाकर एक सौ पच्चीस कर दिया है। ऐसा लगता है कि चतुर सुजान ट्रंप को इस बात का अहसास हो गया है कि दुनिया के बहुत सारे देशों को नाराज करने की तुलना में एक मुख्य प्रतिद्वंद्वी पर निशाना केंद्रित करना अधिक सुरक्षित और समझदारी से भरा फैसला होता है। दरअसल, टैरिफ वॉर के बाद अमेरिका में शेयर बाजार जिस तेजी से ध्वस्त हुए हैं, उसके मद्देनजर उनके 'अमेरिका ग्रेट अगेन' के सपने को खतरा पैदा होने की आशंका पैदा हो गई है। तभी वह अपने टैरिफ थोपने के फैसले को कुछ दिनों के लिये आगे टाल रहे हैं। वैसे अभी भी यह अनुमान लगाना मुश्किल ही है कि उनकी यह नई समझदारी निरंतरता के साथ स्थायी होगी भी या नहीं। लेकिन अनिश्चय के दौर से गुजर रहे वैश्विक बाजार को कुछ समय के लिये राहत जरूर मिली है। जिसका असर दुनिया के शेयर बाजारों पर भी नजर आया है। जिससे मंदी की तरफ बढ़ रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कुछ समय तक राहत की सांस ले सकती हैं। बहरहाल, भारत ने ट्रंप के द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का तत्काल जवाब न देकर सकारात्मक पहल की है। ऐसा लगता है कि भारत ने ट्रंप के टैरिफ पर आक्रामक रुख अपनाने के बजाय इंतजार करने का फैसला करके समझदारी भरा कदम उठाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर विपक्षी आलोचना के स्वर भी सुनाए देते रहे हैं। दरअसल, दांव पर दोनों देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय समझौता भी है, जिस पर नई दिल्ली और वाशिंगटन काम कर रहे हैं। भारत का लक्ष्य है कि दोनों देशों के बीच व्यापार को ढाई गुना बढ़ाना है। भारत ने चतुराई से असहज स्थितियां पैदा करने वाले कारकों को टाला है। बहरहाल, हाल में मिली राहत के बीच यह सुनिश्चित करने के लिये निरंतर बातचीत की आवश्यकता होगी कि भारत को लंबे समय तक भारी टैरिफ का बोझ न उठाना पड़े। साथ ही भारतीय हितधारकों को अधिक नुकसान से भी बचाया जाना चाहिए। वहीं चीन ने अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपे जाने के खिलाफ अंत तक व्यापार युद्ध लड़ने की कसम खाई है। उसने मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका विरोधी मोर्चा बनाने के लिये यूरोपीय संघ और आसियान के देशों से संपर्क साधा है। ऐसा लगता है कि चीन को इस बात का अहसास हो चला है कि टैरिफ युद्ध में वह अकेला ही अमेरिका का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकेगा। दिलचस्प बात यह है कि चीन भारत को संकेत दे रहा है कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों को मौजूदा कठिनाइयों को दूर करने के लिये एक साथ खड़ा होना चाहिए। हालांकि, भारत चीन के इस अवसरवाद को बखूबी समझता है। लेकिन एक मुश्किल बात यह है कि चीन और अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल हैं। लेकिन अतीत में चीन की भारत के खिलाफ जिस तरह की हरकतें रही हैं और जिस तरह वह दक्षिण एशिया में भारत की घेराबंदी कर रहा है, उसके मद्देनजर चीनी आकांक्षा के प्रति भारत को सतर्क प्रतिक्रिया देनी चाहिए। लगातार विषम होती परिस्थितियों के बीच भारत को अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये बेहद सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

युद्धों के कारण मानवीय संकट अपने चरम पर युद्ध, मानवीय संकट

डॉ. अरुण मित्रा

पैरा–मेडिकल कर्मचारियों की हाल ही में हुई हत्या इस बात को साबित करती है। अमेरिकी प्रशासन नवीनतम उच्च शक्ति वाले बमों के साथ इजरायल का पूरा समर्थन कर रहा है और सभी परिस्थितियों में इजरायल के पीछे खड़ा है।

मध्य पूर्व के देशों और रूस और यूक्रेन के बीच युद्धों के परिणामस्वरूप मानवीय संकट अपने चरम पर है। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम के बावजूद गाजा के असहाय नागरिकों पर बमबारी से कोई राहत नहीं मिली है। यदि हम बड़े अनुमानों पर जाएं तो 100,000 से अधिक लोग पहले ही मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। वास्तव में यह इजरायल के जायोनी शासन द्वारा फिलिस्तीनियों का सफाया करने के लिए एक जबरदस्त आक्रमण साबित हुआ है। पैरा–मेडिकल कर्मचारियों की हाल ही में हुई हत्या इस बात को साबित करती है। अमेरिकी प्रशासन नवीनतम उच्च शक्ति वाले बमों के साथ इजरायल का पूरा समर्थन कर रहा है और सभी परिस्थितियों में इजरायल के पीछे खड़ा है। इसने जनवरी 2025 में इजरायल को 2,000 पाउंड के बम छोड़ने की अनुमति दी, एक ऐसा गोला–बारूद जिसे पहले रोक लिया गया था। इसी तरह, रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वार्ताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है। कीव द्वारा जारी किए गए आंकड़ों, संयुक्त राष्ट्र के सांख्यिकी और बीबीसी रूस द्वारा प्रकाशित ओपन–सोर्स डेटा के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक यूक्रेनी और रूसी सैनिकों, साथ ही मृत यूक्रेनी नागरिकों की कुल संख्या 158,341 है। नाटो यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है, जो रूस को परेशान करता है। इस युद्ध के अंत की उम्मीद कम है। अगर ये युद्ध जारी रहे तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इजरायल के विरासत मंत्री अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसेग्राहम और टिमवालबर्ग ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं। ये बयान फिलिस्तीनियों को खत्म करने के इजरायल के इरादे की पुष्टि करते हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक बयान भी इस दिशा में गंभीर खतरा हैं। इंटरनेशनल कैंपेनटूएबोलिश न्यूक्लियर वीपन्स (आईसीएएन) के लिए लिखी गई एक टिप्पणी में, लुंड यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग और सेंटर फॉर एडवांस्ड मिड्ल ईस्टर्न स्टडीज में एसोसिएट सीनियर लेक्चर रहे बाताहा ने चेतावनी दी है कि शपिछले साल भर में, गाजा में हिंसा का वर्णन परमाणु सादृश्यों का उपयोग करके किया गया है, उदाहरण के लिए, रिपोर्टें बताती हैं कि गाजा पर गिराए गए इजरायली विस्फोटकों की विनाशकारी शक्ति हिरोशिमा और नागासाकी बमों के बराबर या उससे भी अधिक है। ये रूपक गाजा को इन परमाणु लक्ष्यों से जोड़ने की कोशिश करते हैं। ये रिपोर्ट शायद पारंपरिक और गैर–पारंपरिक हथियारों के बीच के अंतर को भी पीछे धकेलती हैं, क्योंकि गाजा पारंपरिक हथियारों से होने वाले भारी नुकसान और अकल्पनीय हिंसा का प्रदर्शन है। राष्ट्रपति पुतिन ने चल रहे युद्ध के दौरान परमाणु शस्त्रागार के खतरे का तेजी से इस्तेमाल किया है और रूस ने अपने हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा है। चल रहे युद्ध में एक समय परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए गंभीर खतरा दिखाई दिया था। यह खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन समाप्त नहीं हुआ है। 2025 में, बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव, साथ ही खतरनाक परमाणु बयानबाजी और धमकियां चिंता का विषय बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कानूनी रूप से बाध्यकारी परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि का समर्थन करने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया है। पारंपरिक युद्ध ऐसी पूर्व शर्त प्रदान करते हैं जहां अधिक घातक हथियार विकसित किए जाते हैं। इन परिस्थितियों में परमाणु खतरा बढ़ता हुआ देखा गया है। इसलिए यह जरूरी है कि अगर हमें परमाणु हथियारों को खत्म करना है तो पारंपरिक युद्धों को रोकना होगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वैश्विक समुदाय वर्तमान स्थिति में या तो मूकदर्शक है या अप्रभावी है। संयुक्त राष्ट्र भी युद्धों को समाप्त करने के लिए पक्षों को सहमत कराने में विफल रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा शुरू किया गया व्यापार युद्ध कभी भी स्थिति की गंभीरता को बढ़ा सकता है। ग्लोबल साउथ जो पहले से ही वंचित क्षेत्र है, अब और भी खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। यह जरूरी है कि ग्लोबल साउथ इन युद्धों को समाप्त करने के लिए मजबूत पहल करे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के नेता के रूप में भारत के पास शांति को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली आवाज थी। यह संभावना नहीं है कि वर्तमान नेतृत्व ऐसी कोई पहल करेगा क्योंकि उनकी योजना हथियार निर्यातक बनने की है। इसके अलावा भारत सरकार ने जायोनीवादियों की नरसंहारक कार्रवाइयों के खिलाफ कोई कड़ा रुख नहीं अपनाया है। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज का यह कर्तव्य है कि वह पारंपरिक युद्धों को समाप्त करने के लिए और अधिक जोरदार आवाज में मांग करे और स्थिति को परमाणु विनिमय तक बढ़ने से बचाए जो विनाशकारी होगा।

दावों और नीति पर सवाल करते गोयल

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

वाणिज्य और उद्योमंत्री पीयूष गोयल के भाषण के बाद उपजे बवाल को समझने के लिए शहरों में डिलीवरी सर्विसेस पर एक निगाह डालना जरूरी है। कुछ समय से जयपुर के कुछ हिस्सों में रहने वाले खुद को ऐसे नागरिक के रूप में देख रहे हैं जिनके कदमों में हर चीज बस आठ से बीस मिनटों में हाजिर रहने के लिए आतुर है। हुकुम करो आका की तज र्पर ये डिलीवरी बॉयज दौड़ते रहते हैं और हर जरूरत का सामान पहुंचा देते हैं। 43 डिग्री की तपती दोपहरी में सड़कों पर कोई नहीं हैं पर ये हैं। भारत के कई शहर यूं ही दौड़ रहे हैं। इस चाल में महामारी कोविड ने जान फूंकी थी लेकिन अब जो हो रहा है इसमें कीमतें बहुत कम हैं और कई बड़े प्लेयर मैदान में उतर आए हैं। केवल आठ मिनट में जरूरी सामान पहुंचाने की होड़ तो दो सालों से है लेकिन अब तो पूरा का पूरा राशन, उसे पकाने के लिए स्टोव, कुकर और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जल्दी पहुंचाने की जिद में है। जिनके पास धन है, वे फोन में बंद जिन्न को आदेश देते हैं और वह चुटकी बजाते सब हाजिर कर देता है। सैकड़ों स्टार्टअप्स इन अमीरों की जरूरतों को पूरा करने में लगे हुए हैं। ऐसा लगता है जैसे चंद शहरी अमीरों की चाकरी में बड़ी तादाद में गरीब लग गए हैं क्योंकि भारत की आबादी में चंद अमीर भी ऑस्ट्रेलिया–न्यूजीलैंड की कुल आबादी के बराबर हैं। ऐसा पहले भी था, पर अब तो पढ़ा–लिखा युवा बेरोजगार पूरी तरह इस कार्यबल के दलदल में खींचा जा चुका है। उसके पास कोई और काम नहीं, पूंजी नहीं। पहले–पहल तो थोड़े बढ़े दाम में किराना, फल–सब्जियां आदि घरों तक पहुंच रही थीं जिससे छोटे पंसारी, सब्जियों के ठेले वालों पर कुछ खास असर नहीं डाला था, लेकिन अब तो ऐसे बड़े खिलाड़ी धंधे में कूद पड़े हैं जो अधिकांश सब्जियां 36 रुपए किलो में दे रहे हैं और उस पर 399 रुपए के सामान पर एक किलो चीनी भी मुफ्त। जो पहले से मौजूद थे वे अब पचास से सौ रुपए कैश का लालच ग्राहकों को दे रहे हैं फिर चाहे कुल खरीद केवल दो सौ रुपए हो। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा के केंद्र में वह डिलीवरी बॉय है जो कभी युवा बेरोजगार था और अब सस्ता मजदूर है। वही सड़कों पर दिन–रात दौड़ कर मुनाफे और जरूरत के बीच की जरूरी कड़ी बना हुआ है और वही सबसे कमजोर भी है। एक डिलीवरी बॉय के साथ संवाद शायद उसकी तकलीफ को बयान कर सके–– आपको आपका काम कैसा लगता है ?00 मजबूरी है, इसलिए कर रहे हैं।– पढ़ाई कहां तक की है? 00 इसी साल ग्रेजुएशन किया है।– कितनी पगार है? 00 पगार कहां? नौ घंटे के छह सौ रुपए मिलते हैं। उसमें भी 200 रुपए का तो तेल जल जाता है, बाइक भी खुद की है। उसकी सर्विसिंग भी हमें ही करवानी पड़ती है। फोन खुद का हो तो ही काम मिलता है। बहुत कम समय में ज़्यादा डिलीवरी देने का दबाव होता है। लड़के का स्वर निराशा में डूबने लगता है। तब क्या भारत के स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स की दुनिया इसी में सिमट गई है कि अमीर को चिप्स और ठंडी–ठंडी आइसक्रीम खिलाने के लिए गरीब युवा भरी गर्मी में सड़कों पर दौड़ता रहे। शायद इसी तस्वीर को समझते हुए और भारत के तमाम स्टार्टअप्स को इसी तरफ मुड़ते देख भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कह दिया है कि श्भारत में सिर्फ फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी या बेटिंग–गेमिंग के स्टार्टअप्स बन रहे हैं, जबकि चीन में एआई और ईवी के स्टार्टअप्स बन रहे हैं।श मंत्री ने उद्योगपतियों का नाम लेकर उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा–श्वे ऐसे अरबपतियों को जानते हैं, जिनके बच्चों ने बहुत फैंसी आइसक्रीम और कुकीज के ब्रांड बनाए और वे सफल कारोबार चला रहे हैं। उन्हें इससे दिक्कत नहीं है लेकिन क्या यही भारत का भविष्य है और क्या देश इससे संतुष्ट है?श तब क्या उद्योगपतियों के बहाने उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों और नीतियों पर भी सवाल खड़ा कर दिया है?आखिर बीते दस सालों से स्टार्टअप्स की लगातार चर्चा करते हुए विकसित भारत का जिक्र कौन कर रहा था? प्रधानमंत्री ने कहा था– श्हमें नौकरी मांगने वालों को नौकरी देने वाला बनाना है। यही हमारे युवाओं की बड़ी ताकत है और हमारे स्टार्टअप्स की बड़ी शक्ति है।श क्या ऐसा हुआ? प्रधानमंत्री मोदी बार बार कहते रहे हैं कि भारत स्टार्टअप्स का कैपिटल है और दावा करते हैं कि भारत के कितने स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न यानी सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले बन गए। लेकिन उनके इस दावे की रौशनी को मंद कर पीयूष गोयल ने भारत के स्टार्टअप्स की हकीकत बता कर क्या कोई बड़ा जोखिम ले लिया है? लगता तो यही है। उद्योगपति तीखे तेवर दिखा रहे हैं। उनका तर्क है कि यह आसान नहीं है और हम लाखों बेरोजगारों को काम दे रहे हैं। दरअसल यह केवल मंत्री का भाषण नहीं बल्कि बड़े सच से पर्दा उठाता अध्ययन है। ऐसे ही स्टार्टअप्स की उपलब्धियों को बड़ा बना कर भारत को विकसित बताए जाने के प्रयास किए जाते रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि हम अपने पड़ोसी चीन से कहीं ज़्यादा पिछड़ गए हैं। आज अमेरिका की नीतियों की वजह से दुनिया में जो निर्वात बना है उसे भारत भर सकता था, परन्तु भारत के उद्योगपति और संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के नतीजे नहीं दे पाते हैं और इसी ओर मंत्री पीयूष गोयल ने बीते सप्ताह स्टार्टअप महाकुंभ में इशारा किया और कहा– भारत में स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी, फैंसी आइसक्रीम व कुकीज, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी, बेटिंग व गेमिंग ऐप्स और रील्स व इन्फ्लूएंसर्स इकानॉमी बनाने में बिजी हैं। उन्होंने भारत के स्टार्टअप की तुलना चीन से करते हुए कहा कि दूसरी ओर चीन में ईवी व बैटरी टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, एआई रोबोटिक्स व ऑटोमेशन, ग्लोबल लॉजिस्टिक्स, ट्रेड व डीप टेक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े स्टार्टअप्स शुरू हो गए हैं। हमारे उद्यमी इस दिशा में न बढ़ते हुए बिना जोखिम के धंधों में लग गए हैं।

देखा यही गया है कि भारतीय विदेश में नए इनोवेशन और नई कंपनियों के मालिक और साझेदार हैं लेकिन यही भारतीय उद्योगपति भारत में इंतजार में रहते हैं कि कब कोई नई तकनीक ईजाद हो और वे यहां उसे रेपलिकेट कर तुरंत मुनाफा बना सकें।

'मेरे राम'

'शुक्ल पक्ष नवमी तिथि
चौत्र मास अत्यंत पावन
दशरथ मणिमय आंगन
कौशल्या जाये रघुनंदन
परमहितकारी – परोपकारी
सिया को प्यारे साजन
सकल सृष्टि के पालक
शोभित माता के आंचल
कैकेई दुलारे मनभावन
अनुजों संग खेलें राजभवन
देखि – देखि हर्षित भये सब जन
श्याम सरोरुह तनु पर वारी
तीन लोक को अन्न – धन
कौशल्या के हिये विराजत
कोमलगात अरु राजीव नयन
साकेत धाम वासी विष्णु – अवतारी
त्रिपुरारी के आराध्य कहाये रघुराई,!!..

सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति ने प्रदेश में अपराधों में आई भारी कमी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति ने पिछले आठ वर्षों में अपराधियों की कमर तोड़ कर रख दी है। इस दौरान एक लाख से अधिक अपराधियों को जेल और मुठभेड़ में 227 को यमलोक भेजा गया। इतना ही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर मिशन शक्ति फेज–5 के तहत प्रदेशभर में 'दस का दम' नामक विशेष ऑपरेशन चलाए गए। इसमें ऑपरेशन गरुड़, ईगल, मजनू, रक्षा, बचपन, खोज, शील्ड, डेस्ट्राय, नशा मुक्ति और त्रिनेत्र आदि शामिल हैं। इन ऑपरेशन के जरिये यूपी पुलिस ने महिलाओं, बेटियों, बच्चों, युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। वहीं ऑपरेशन त्रिनेत्र ने जघन्य अपराधों का खुलासा कर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेला है।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि सीएम योगी की मंशानुसार मिशन शक्ति फेज–5 के तहत यूपी पुलिस ने प्रदेश भर में दस ऑपरेशन चलाए। यूपी पुलिस का यह अभियान अपराधियों के लिए काल बन गया है। योगी सरकार का 'दस का दम' ऑपरेशन ने प्रदेश को अपराध से मुक्त करने की संकल्पना है, जिसे जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा गया है। इन ऑपरेशन के जरिए 1 लाख से अधिक लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रदेश भर में संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया। इसके बाद प्रदेशभर में 11,07,782 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। ये सीसीटीवी थानों से जोड़े गए ताकि कैमरा कंट्रोल रूम्स से घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी का नतीजा है कि डकैती, लूट समेत कुल 5,718 जघन्य अपराधों का सफल खुलासा किया गया।

महिलाओं और बच्चियों से जुड़े साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए ऑपरेशन गरुड़ चलाया गया। अभियान के तहत 2,597 प्राथमिकी पत्रों की जांच की गई, जिनमें से 2,407 का निस्तारण किया गया। वहीं पूर्व में पंजीकृत 1,179 अभियोग में से 449 का निस्तारण किया गया और 498 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 405 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए गए। इसी तरह स्कूल–कॉलेजों के आसपास बच्चों और महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों सौहदों के खिलाफ ऑपरेशन मजनू चलाया गया। इस अभियान में 7,554 स्थानों को चिह्नित किया गया और 58,624 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं ऑपरेशन ईगल के तहत महिलाओं से संबंधित अपराधों में जेल से बाहर आए 7,963 अपराधियों में से गिरफ्तार–हाजिर अदालत 5,166 को चिन्हित किया गया। इसके दौरान 2,683 अभियुक्त गिरफ्तार–हाजिर अदालत हुए। वहीं 4,294 के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई। ऑपरेशन रक्षा के तहत स्पा सेंटर, मसाज पार्लर में छिपे मानव तस्करी के मामलों में 56 महिलाओं बालिकाओं को रेस्क्यू कर 49 का पुनर्वास कराया गया। प्रदेश में बल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति समेत बच्चे के अधिकारों के लिए ऑपरेशन बचपन और खोज चलाया गया। इसमें ऑपरेशन बचपन के तहत बाल श्रम व बाल भिक्षावृत्ति के मामलों में 2,860 बच्चों को बचाया गया। वहीं 1,207 केसों में कार्यवाही हुई। इसी तरह ऑपरेशन खोज के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, आश्रयगृहों से 3,327 गुमशुदा बच्चों को पुनर्वासित किया गया। ऑपरेशन शील्ड के तहत 29,773 एसिड की दुकानों को चेक किया। वहीं 725 के खिलाफ कार्रवाई की गयी। ऑपरेशन डेस्ट्राय के तहत अश्लील साहित्य व सीडी के 748 मामले अभियोग दर्ज हुए। ऑपरेशन नशा मुक्ति के तहत नशे के विरुद्ध 4,750 हॉट स्पॉट चिन्हित कर 2,752 अभियोग पंजीकृत किए गए और 33,391 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सादिया खतीब

महिलाओं को अपने कानूनी और मजहबी अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं

द डिप्लोमैट में नजर आईं सादिया खतीब ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने महिलाओं के लिए समान अधिकार से लेकर मजहबी अधिकारों के बारे में बात की। सादिया ने यह भी बताया कि एक लड़की के तौर पर उन्हें कब हीनता का एहसास हुआ। श्द डिप्लोमैटश में नजर आईं सादिया खतीब ने कई मुद्दों पर बात की सादिया ने महिलाओं के लिए समान अधिकार से लेकर मजहबी अधिकारों के बारे में बात की सादिया ने यह भी बताया कि एक लड़की क` तौर पर उन्हें कब हीनता का एहसास हुआ जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शशिकाराश से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया श्रक्षा बंधनश में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की श्द डिप्लोमैटश में उज्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही हैं। उनसे एक खास बातचीत। सादिया खतीब ने बातचीत में जॉन अब्राहम पर क्रश और श्द डिप्लोमैटश में उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में भी बात की। वह फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए समान अधिकार और सैलरी पर भी बोलीं। फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है? —मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज़्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं। एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है? —मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। आपके करियर की शुरुआत जाने—माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शशिकाराश से हुई, आपने उनसे क्या सीखा? —मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी। आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाईं? —सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शशिकाराश की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था। मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली—बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को—एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी हैं, मैं तो आज के दौर की जेनजी लड़की थी, जो सेट पर इधर —हर मस्ती किया करती थी। आपने जब अक्षय कुमार के साथ श्रक्षा बंधनश में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था? —बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। श्रक्षा बंधनश की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई—बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा। सादिया खतीब सुना है कि एक जमाने में जॉन अब्राहम आपके क्रश हुआ करते थे और अब आप उन्हीं की हीरोइन बन कर आ रही हैं?

हॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने जयपुर में हवामहल के सामने एक कैफे में शूटिंग की। इंटरनेशनल स्टार प्रियंका मंगलवार (1 अप्रैल) को अपने विदेशी फ्रेंड्स के साथ यहां पहुंची थीं। शूटिंग के बाद पीसी ने उनके साथ राजस्थानी कल्चर और जयपुर की हिस्ट्री की इंफॉर्मेशन भी शेयर की। दरअसल, प्रियंका मार्च के आखिरी दिनों में जयपुर पहुंची थी। वे पिंकसिटी में तीन दिन रुकी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो पीसी इन दिनों साउथ के फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली के एक प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। ज्वेलरी ब्रांड के लिए किया शूट एक्ट्रेस ने जयपुर में एक ज्वेलरी ब्रांड के लिए शूट किया था। उन्होंने पिंकसिटी की अलग—अलग लोकेशंस पर ब्रांड के लिए शूटिंग की। वे जयपुर विजिट के दौरान परकोटे के एरिया में भी घूमीं थीं। हॉलीवुड एक्ट्रेस ने जयपुर में एक फैशन इवेंट में भी हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अपने विदेशी साथियों को हवामहल की भव्यता भी दिखाई। बाजार में घूमते हुए प्रियंका चोपड़ा और उनके गेस्ट लोकल हैंडीक्राफ्ट के आउटलेट्स पर भी पहुंचे। प्रियंका ने विदेशी मेहमानों को जयपुर के ट्रेडिशनल आर्ट व क्राफ्ट से जुड़ी जानकारी साझा की। अब देखिए— इंटरनेशनल स्टार के जयपुर विजिट के च्भ्व्ज्ै३ ३. जयपुर में बॉलीवुड स्टार्स से जुड़ी ये खबर भी पढ़िए३ जयपुर में प्प्थ्।— 'लापता लेडीज' को 10 अवॉडर्रू27 साल बाद अवॉर्ड फंक्शन में साथ नाचे शाहरुख—माधुरीय रेखा—राकेश रोशन ने भी डांस किया।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने हाल ही में अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक लिया है. जिसके बाद खबरें हैं कि वो आरजे महवश को डेट कर रहे हैं. दोनों साथ में लंच करते हुए और मैच देखते ही भी स्पॉट हुए थे. लेकिन अब इन खबरों पर खुद महवश ने चुप्पी तोड़ी है. जानिए उन्होंने क्या कहा..... दरअसल युजवेंद्र चहल संग रिलेशनशिप की खबरों को लेकर चर्चा में रहने वाली आरजे महवश एक फेमस सोशल मीडिया पर्सनालिटी हैं. हाल ही में उन्होंने चहल के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की. दरअसल आरजे ने एक पॉडकास्ट में शिरकत की थी. इस इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि, मैं कैजुअल रिलेशनशिप को नहीं मानतीं. मुझे ऐसा रिश्ता चाहिए जो शादी तक पहुंचे. लेकिन अभी मैं शादी के बार में बिल्कुल नहीं सोच रही. इसी दौरान आरजे महवश ने चौंकाने वाला खुलासा भी किया. उन्होंने कहा, मैंने 19 साल की उम्र में सगाई कर ली थी, लेकिन अब मेरी लाइफ पूरी तरह बदल गई है. फिलहाल में किसी के साथ रिश्ते में नहीं हूं और पूरी तरह से सिंगल हूं. महवश ने आगे कहा कि, उनकी लाइफ में एक दौर ऐसा भी था. जो बहुत ही बुरा था. ब्रेकअप के बाद उन्हें पैनिक अटैक्स आने लगे थे।

कृष 4 में वापसी के लिए प्रियंका चोपड़ा कितनी फीस ले रही है?

जब यह बताया गया कि ऋतिक रोशन अपने पिता राकेश रोशन से कृष 4 के निर्देशक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, तो प्रशंसक सुपरहीरो फ्रैंचाइज की नवीनतम किस्त को देखने के लिए उत्साहित हैं। फिल्म के निर्माण के लिए वाईआरएफ के साथ जुड़ने के बाद, अब यह बताया गया है कि प्रियंका चोपड़ा भी ऋतिक के साथ मुख्य भूमिका में आ गई हैं। भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़े विकास में, ऋतिक रोशन आधिकारिक तौर पर अपने पिता राकेश रोशन से बहुप्रतीक्षित कृष 4 के लिए निर्देशक की कुर्सी संभाल रहे हैं।

सूत्र ने कहा, ऋतिक और प्रियंका ने हमेशा शानदार ऑन—स्क्रीन केमिस्ट्री और मजबूत कामकाजी संबंध साझा किए हैं। उनकी वापसी एक स्वाभाविक निर्णय की तरह महसूस हुई, खासकर तब जब कहानी कोई मिल गया से शुरू हुई यात्रा को जारी रखती है, उसके बाद कृष और कृष 3 आई। फिल्म अभी प्री—प्रोडक्शन चरण में है, जिसमें वाईआरएफ की इन—हाउस वीएफएक्स टीम (वाईएफएक्स) पहले से ही फिल्म के प्रमुख दृश्यों के प्रीविजुअलाइजेशन पर काम कर रही है। ऋतिक रोशन पटकथा को बेहतर बनाने के लिए लेखकों और आदित्य चोपड़ा की एक टीम के साथ भी सहयोग कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, कृष 4 सिर्फ एक ऐसी फिल्म नहीं है जिसमें VFX शामिल है—पूरी कहानी को विजुअल स्टोरीटेलिंग के इर्द—गिर्द बनाया गया है। VFX कोई ऐड—ऑन नहीं है, यह कहानी का एक बुनियादी हिस्सा है।

यह स्पष्ट नहीं है कि प्रियंका चोपड़ा कृष 4 के लिए वास्तव में कितनी फीस ले रही हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, वह 20 करोड़ —30 करोड़ के बीच कहीं भी चार्ज कर सकती हैं। अगर पैसे नहीं तो स्टारलेट शेयरों में से कुछ प्रतिशत ले सकती हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनास भारतीय सिनेमा में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई हैं, उन्होंने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 में अपनी भूमिका के लिए 30 करोड़ की फीस ली है, जिसमें उनके साथ महेश बाबू भी हैं। यह दीपिका पादुकोण जैसी अन्य प्रमुख अभिनेत्रियों की कमाई से ज्यादा है, जो कथित तौर पर प्रति फिल्म 15—30 करोड़ के बीच चार्ज करती हैं, और आलिया भट्ट, जिनकी फीस 10—20 करोड़ के बीच है।

हॉलीवुड में भी प्रियंका ने महत्वपूर्ण पारिश्रमिक हासिल किया है। विशेष रूप से, अमेजन प्राइम की सीरीज सिटाडेल के लिए, उन्होंने +5 मिलियन (लगभग 41 करोड़) कमाए, जो उनके 22 साल के करियर में पहली बार था जब उन्होंने अपने पुरुष सह—कलाकार के बराबर पारिश्रमिक हासिल किया। यह ध्यान देने योग्य है कि प्रियंका ने कभी—कभी बिना शुल्क लिए प्रोजेक्ट किए हैं। उदाहरण के लिए, उन्होंने कथित तौर पर अपने दोस्त अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित फिल्म भारत में अपनी भूमिका के लिए कोई शुल्क नहीं लिया।

इससे पहले, कृष फ्रैंचाइज के निर्देशक राकेश रोशन ने ऋतिक के निर्देशक बनने पर उन्हें मशाल सौंपने की बात की थी। पिंकविला से बात करते हुए, राकेश रोशन ने साझा किया, मैं कृष 4 के निर्देशक की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूँ, जिन्होंने मेरे साथ इस फ्रैंचाइज की शुरुआत से ही इसके बारे में जीया, साँस ली और सपने देखे हैं। ऋतिक के पास अगले दशकों तक दर्शकों के साथ कृष की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट और बहुत ही महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है।

उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर बहुत गर्व हो रहा है कि वह एक ऐसी फिल्म के लिए निर्देशक की भूमिका निभा रहे हैं जो हमारे लिए एक परिवार के तौर पर बहुत मायने रखती है। कृष ने दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन किया है और ऋतिक अब इस सुपरहीरो गाथा के अगले अध्यायों का खुलासा करेंगे और इतने सालों पहले मैंने जो विजन बनाया था उसे और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस बीच, कृष 4 का निर्माण आदित्य चोपड़ा अपने बैनर वाईआरएफ के तहत करेंगे। पिंकविला के अनुसार, फिल्म 2026 की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी।

वास्तु दोष दूर करेगा सूर्य यंत्र, बैसाखी पर घर की इस दिशा में लगाने से होगा फायदा

पंजाबियों का प्रसिद्ध त्योहार बैसाखी आने में कुछ ही दिन बचे हैं। इस बार बैसाखी 14 अप्रैल को मनाई जाएगी । इसी दिन से सौर वर्ष की भी शुरुआत होती है। बैसाखी वाले दिन ही सूर्य देव

मेष राशि में आते हैं इसके अलावा सूर्य की उच्च राशि मेष ही मानी जाती है। जब सूर्य देव इस राशि में आते हैं तो सौर वर्ष की शुरुआत होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बैसाखी पर वास्तु दोष दूर करने और घर की सुख–शांति बनाए रखने के लिए सूर्य यंत्र लगाना शुभ माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि सूर्य यंत्र किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है...

वास्तु दोष होगा दूर

वास्तु शास्त्र की मानें तो बैसाखी पर आप घर की उत्तर दिशा में सूर्य यंत्र लगा सकते हैं। इससे आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इसके अलावा आप सूर्य यंत्र को धारण करके इसकी नियमित पूजा करें। नियमित पूजा ने शुभ फल भी मिलेगा और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा।

लगाएं ऐसा सूर्य यंत्र

बैसाखी पर आप तांबे का सूर्य यंत्र घर में लगा सकते हैं। इस तरह का सूर्य यंत्र इस दौरान घर में लगाना शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आएगी और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा। इसके अलावा बैसाखी पर इसे घर में लगाने से सदस्यों की तरक्की होती है और व्यक्ति को शोहरत मिलती है।

कुंडली में मजबूत होगा सूर्य

घर में तांबे का सूर्य लगाने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। व्यक्ति को मान–सम्मान मिलता है, परिवार के सदस्यों की तरक्की होती है। इसके अलावा कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए आप बैसाखी पर सूर्य यंत्र की पूजा करें। इससे सूर्य के साथ नौ ग्रहों का शुभ मिलेगा और वास्तु दोष भी दूर होगा।

इस दिशा में लगाएं तांबे का सूर्य

बैसाखी पर घर में आप सूर्य लगाने से व्यक्ति के जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। आप इसे घर की उत्तर या फिर ईशान कोण में लगा सकते हैं। व्यापारिक स्थल पर पूर्व दिशा में सूर्य यंत्र लगाने से व्यापार में तरक्की मिलती है व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती और घर के सदस्यों की भी प्रगति होने लगती है।

कार्य में आ रही बाधा होगी दूर

यदि आपका कोई कार्य पूरा नहीं हो रहा है या उसमें बाधा आ रही है तो आप बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। इससे पूरे सौरवर्ष में आपको किसी भी चीज की कमी नहीं होगी। इसके अलावा कोर्ट कचहरी में यदि आपका कोई मामला चल रहा है तो बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। यदि आप किसी तरह के रोग से परेशान हैं तो सूर्य यंत्र का पेंडेट धारण करें।

स्किन चमकाने से लेकर बालों तक के लिए फायदेमंद है चुकंदर का छिलका, जानें 5 फायदे

चुकंदर के फायदों को तो आप सभी जानते होंगे। स्वस्थ शरीर से लेकर स्किन की सुंदरता के लिए चुकंदर काफी फायदेमंद होता है। चुकंदर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसमें फाइबर, मैंगनीज, पोटेशियम, फोलेट, आयरन और विटामिन्स जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए डॉक्टर भी दैनिक आहार में चुकंदर को शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन आप सभी चुकंदर के छिलकों को बेकार समझ कर फेंक देते होंगें।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको चुकंदर के छिलकों के कुछ फायदों को जानना आवश्यक है। इन फायदों को जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे और अब से इनके छिलकों को फेंकना बंद कर देंगे। चुकंदर ही नहीं बल्कि इसके छिलके भी काफी फायदेमंद होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चुकंदर के छिलकों के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

लिप स्क्रब

हवा ठंडी हो या गर्म इसका असर हमारे स्किन पर भी पड़ता है। जिसके कारण होंठ सबसे पहले रूखे होने लगते हैं। चेहरे के साथ ही हवाएं होठों की नमी भी चुरा लेती हैं। ऐसे में चुकंदर का छिलका आपके काम आ सकता है। इसके लिए आप चुकंदर के छिलके को कद्दूकस से कस लें और फिर उसमें चीनी मिला लें। अब इसको उंगलियों की मदद से होठों पर स्क्रब करें। इससे आपके होठों पर जमी डेड स्किन सेल्स दूर हो जाएगी। साथ ही आपके होठों की नेचुरल रंग वापस आ जाएगा।

टोनर

क्या आप जानते हैं कि चुकंदर के छिलके का टोनर बना सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को रात भर पानी में भिगों लें। फिर सुबह इस पानी को छानकर एक बोतल में भर लें। अब इस पानी को आप टोनर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही इसको रोजाना फेस पर लगाने से चेहरे की ताजगी के साथ चेहरे पर ग्लो आएगा।

फेस मास्क

चुकंदर में मौजूद विटामिन सी हमारी स्किन के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप भी अपने फेस की खोई चमक को वापस पाना चाहते हैं तो चुकंदर का छिलका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को कुछ समय के लिए पानी में भिगो दें। जब पानी का रंग बदल जाए तो छिलका निकालकर उसमें नींबू का रस मिला दें। अब इससे आप अपने फेस की मसाज करें और आधें घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर साफ पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से जल्द ही फेस पर निखार आएगा और डेड स्किन सेल्स भी दूर हो जाएंगे।

डैंड्रफ

चुकंदर में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। अगर आप भी डैंड्रफ से परेशान हैं तो इसका उपाय चुकंदर के छिलकों में है। चुकंदर के छिलके के रस में सिरका और नीम का पानी मिला लें। फिर इसे बालों में लगा कर 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पानी से बालों को धुल लें। इस उपाय से आपको डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

खुजली

आपके बालों में होने वाली खुजली के इलाज में चुकंदर के छिलके बेहद फायदेमंद होते हैं। अंदरूनी हिस्से को स्कैल्प पर चुकंदर के छिलके के रगड़ें। ऐसा करने से आपको खुजली से राहत मिलने के साथ ही डेड स्किन सेल्स भी निकल जाएगा। 15 मिनट तक छिलकों को रगड़ने के बाद बालों को धो लें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने से लेकर हार्ट को हैल्दी रखेगा रेड एलोवेरा, जानिए इस खाने के अचूक फायदे

त्वचा के लिए एलोवेरा कितना फायदेमंद होता है यह तो आप जानते ही हैं परंतु यह स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व कई तरह की समस्याओं से राहत दिलवाने में मदद करते हैं। हरा एलोवेरा तो आपने कई बार देखा होगा लेकिन लाल रंग का एलोवेरा भी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। लाल रंग के एलोवेरा में विटामिन–ई, बी–12, सी, ई, फोलिक एसिड, अमीनो एसिड, विटामिन और मिनरल जैसे कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा भी लाल एलोवेरा सेहत के लिए काफी गुणकारी माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं इसे खाने के फायदे...

हार्ट को रखता है हैल्दी

लाल एलोवेरा में विटामिन–ए, बी12, सी, ई जैसे कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं यह पोषक तत्व शरीर में ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और हार्ट को हैल्दी बनाए रखने में सहायता करते हैं। इसके अलावा यदि आप हार्ट को हैल्दी रखना चाहते हैं तो हफ्ते में कम से कम 2–3 बार इससे तैयार जूस का सेवन करें। समस्या से काफी आराम मिलेगा।

कंट्रोल करेगा ब्लड शुगर

इसका सेवन करने से ब्लड शुगर भी कंट्रोल में रहती है। लाल एलोवेरा में पाया जाने वाला इमोडीन शरीर में ग्लूकोज का स्तर कम करने में मदद करता है इससे इंसुलिन भी बूस्ट होता है। डायबिटीज के रोगियों को एक्सपर्ट्स हफ्ते में दो बार लाल एलोवेरा जूस का सेवन करने की सलाह देते हैं।

दर्दों से मिलेगा आराम

लाल एलोवेरा को एक नेचुरल पेनकिलर भी कहते हैं। यह शरीर के दर्द, सिरदर्द, माइग्रेन से राहत दिलवाने में भी मदद करता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों को आराम देकर दर्द से राहत दिलवाने के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

यह रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में भी मदद करता है। इसका सेवन करने से बैक्टीरिया और इंफेक्शन से बचाव रहता है इसके अलावा लाल एलोवेरा खाने से मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुकाम, बुखार से भी बचाव रहता है।

पीरियड्स पेन से मिलेगी राहत

अनियमित पीरियड्स या फिर यदि पीरियड्स के दौरान बहुत दर्द हो तो उसके लिए भी आप लाल एलोवेरा जेल का सेवन कर सकते हैं। यह सूजन कम करने, कब्ज से राहत दिलवाने में भी मदद करता है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान होने वाली ऐंठन दूर करने के लिए भी लाल एलोवेरा जेल बेहद लाभकारी मानी जाती है।

नोट– यदि आपको किडनी या फिर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो एक बार डॉक्टर से पूछकर ही इसका सेवन करें।

बच्चों को बनाना है केयरिंग तो पेरेंट्स बचपन से ही करें इन बातों पर गौर

छोटे बच्चे प्यार के भूखे होते हैं उन्हें जहां भी प्यार मिले वो वहां पर अपना दिल लगा लेते हैं। इसके अलावा बच्चे अपने माता–पिता के भी काफी क्लोज होते हैं। हर माता–पिता यही चाहते हैं कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छे जीवन मिले। ऐसे में पेरेंट्स को बचपन से ही बच्चों को अच्छी आदतें सिखानी होगी। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे हर किसी की बड़े होकर केयर करें तो आप उन्हें बचपन से ही यह चीजें सिखाना शुरु कर दें। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसी कौन सी आदतें हैं जो आपको बचपन से ही बच्चों को सिखानी चाहिए...

सिखाएं मदद करना

बच्चों के लिए सबसे पहले रोल मॉडल उसके पेरेंट्स ही होते हैं ऐसे में यदि आप उन्हें कोई भी चीज सिखाएंगे तो वह आसानी से सिख लेंगे। उन्हें सिखाएं कि घर के हर सदस्य का ख्याल रखें, अपने आस–पास के लोगों की मदद करें। जरुरतमंद व्यक्तियों की सहायता करें। किसी अंजान व्यक्ति की सहायता करें इससे बच्चे हर किसी का ख्याल रखना सिखेंगे और उनके मन में हर किसी के लिए एक अच्छी देखभाल का भाव भी उत्पन्न होगा।

खुद भी करें चीजों को फॉलो

बच्चों के सामने यदि आप भी किसी की मदद, जानवरों और पेड़–पौधों का सम्मान करते हैं तो इससे बच्चे भी अपने आस–पास की चीजों को लेकर रिस्पॉन्सिबल होंगे। इसके अलावा वह बिना हिचकिचाए हुए आसानी से सभी की मदद कर पाएंगे। आप चाहें तो उन्हें किसी संस्था से भी जोड़ सकते हैं। संस्था के साथ जुड़के नेक काम करके बच्चे नई–नई चीजों को एक्सपलोर कर पाएंगे।

छोटे–छोटे काम करने के लिए करें प्रेरित

इसके अलावा आप बच्चों को जैसे की घर में मौजूद सदस्य दादी–दादा की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी दे सकते हैं। इसके अलावा यदि उनका कोई छोटा भाई या बहन है तो उसे स्कूल साथ में ले जाने के लिए कहें । उन्हें इस बात का एहसास दिलवाएं कि घर के सदस्यों की अच्छे से केयर करें उनका फर्ज है। इससे वह अपना काम और भी अच्छे से कर पाएंगे। इसके अलावा यदि आपका बच्चा हर समय घर में अकेला रहता है तो आप उसे कोई पेट भी खरीद कर दे सकते हैं।

गलती करने पर माफी मांगना बताएं

बच्चों को यह भी जरुर सिखाएं कि यदि उनसे कोई गलती होती है तो वह इस पर माफी जरुर मांगे। कई बार पेरेंट्स बच्चों की गलतियां हंसी–हंसी में नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन इससे बच्चे आगे चलकर और भी बदतमीज बन सकते हैं। ऐसे में उन्हें यह आदत जरुर सिखाएं कि यदि उनसे गलती हुई है तो वो सामने वाले से माफी भी जरुर मांगें।

दूसरों के प्रति सहानुभूति

बच्चों को सिखाएं कि दूसरों के प्रति उसे सहानुभूति रखनी चाहिए। आप चाहें तो उनके सामने किसी दोस्त के ऊपर चर्चा कर सकते हैं। जैसे यदि उनका दोस्त हर समय उदास रहता है तो आप उससे पूछें कि उनका दोस्त किस बात पर नाराज है। इससे बच्चे दूसरे की परेशानियां समझना सिखेंगे और उनके प्रति सहानुभूति भी दिखाएंगे।

शिक्षा पूरी नहीं कर पाने का अफसोस..., अंग्रेजी नहीं बोल पाने को लेकर ट्रोल करने वालों को रिजवान का जवाब

कराची। पाकिस्तान की वनडे टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान को अक्सर अपनी अंग्रेजी बोलने के लिए आलोचना और ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है। हालांकि, अब उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। रिजवान ने स्वीकार किया कि वह अंग्रेजी भाषा बोलने में अपनी अक्षमता से शर्मिंदा नहीं है। उन्होंने कहा कि एकमात्र चीज जिस पर वह ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, वह है क्रिकेट। रिजवान अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल पाते हैं। इसी वजह से उनके पोस्ट और प्री–पोस्ट मैच इंटरैक्शन के कई क्लिप और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। कई मौकों पर ट्रोल्स ने उनका मजाक उड़ाया है। हालांकि, अब मुल्तान सुल्तांस के कप्तान ने आलोचकों को संबोधित किया और उन्हें इसको लेकर मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जियो न्यूज से कहा, श्मुझे अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर पाने का अफसोस है। यही वजह है कि मुझे अंग्रेजी नहीं आती है, लेकिन मुझे इस बात की शर्म नहीं है कि पाकिस्तान का कप्तान होने के नाते मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता। मेरी मांग क्रिकेट खेलने की है, अंग्रेजी बोलने की नहीं। अगर पाकिस्तान अंग्रेजी चाहता तो मैं प्रोफेसर बनता, पढ़ता और लौटता। लेकिन पाकिस्तान मुझसे क्रिकेट मांगता है, अंग्रेजी नहीं।

पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन की हुई आलोचना

दरअसल पिछले कुछ समय से पाकिस्तान टीम का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन खराब रहा है। वनडे विश्व कप 2023, टी20 विश्व कप 2024 और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई थी। इसके बाद टीम में अनबन को लेकर भी बातें सामने आई थीं। इससे तंग आकर कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने इस्तीफा दे दिया था। टीम से बाहर चल रहे पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने तो टीम में गुटबाजी का आरोप तक लगाया था। शहजाद ने कहा था कि मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम जैसे सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को धमकाते हैं और किसी को ऊपर नहीं आने देते। तभी चयनकर्ता हर टूर्नामेंट के लिए खराब प्रदर्शन के बावजूद इन्हें ही चुनते हैं।

रिजवान और बाबर को टी20 टीम से बाहर किया गया

रिजवान ने इसके बाद अपना ध्यान पाकिस्तान क्रिकेट में जारी संकटों पर केंद्रित किया। इसको लेकर दुनिया भर में पाकिस्तान की टीम की आलोचना हो रही है। कभी एशियाई महाशक्ति माने जाने वाले पाकिस्तान की मौजूदा टीम अपने पुराने गौरव को हासिल करने में जुटी हुई है। आईसीसी टूर्नामेंट्स में खराब प्रदर्शन के बाद रिजवान और बाबर को न्यूजीलैंड की टी20 टीम से बाहर कर दिया गया था। अब रिजवान सिर्फ वनडे के कप्तान हैं। हालांकि, उनकी कप्तानी में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड दौरे पर तीन मैचों की सीरीज में 3–0 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम की वापसी पर खिलाड़ियों को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

फैंस को गुस्सा करने का पूरा हक है

हालांकि, रिजवान ने आलोचकों से समाधान बताने और पाकिस्तान क्रिकेट का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया, ताकि टीम सही रास्ते पर जा सके। उन्होंने कहा, श्टीम की आलोचना करना अच्छा है, लेकिन साथ ही उन्हें मार्गदर्शन भी करना चाहिए कि कैसे सुधार किया जाए। हाल ही में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान वसीम अकरम ने हमें सलाह दी थी। मैं उनके साथ और बात करना चाहता था, लेकिन पर्याप्त समय नहीं था।श रिजवान ने स्वीकार किया कि अगर टीम का प्रदर्शन खराब है तो फैंस को परेशान होने का हक है। उन्होंने कहा, श्उन्हें हम पर नाराज होने का पूरा अधिकार है क्योंकि वे भी हमसे प्यार करते हैं, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने पाकिस्तान को बहुत कुछ दिया है। अब लीग का आनंद लेने का समय है।

संक्षिप्त

मोबाइल फोन उत्पादन बढ़कर पांच लाख करोड़ के पार, भारत से निर्यात की जाने वाली सबसे बड़ी कमोडिटी बना

नई दिल्ली। देश का मोबाइल फोन उत्पादन 2024–25 में बढ़कर 5.25 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो 2023–24 में 4.22 लाख करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, स्मार्टफोन भारत से निर्यात की जाने वाली सबसे बड़ी कमोडिटी बन गई है। सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के मुताबिक, देश से 2024–25 में दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का स्मार्टफोन निर्यात हुआ है, जो सालाना आधार पर 55 फीसदी बढ़ा है। यह भारत के बढ़ते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की क्षमता को दिखाता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। इससे क्षमता हासिल करने, वैश्विक निवेश पाने और और दुनिया के लिए एक बड़ा विनिर्माण हब बनने में मदद मिल रही है। इस योजना ने पर्याप्त वैश्विक निवेश आकर्षित किया है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के साथ वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में देश की स्थिति मजबूत हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक व्यापार गतिशीलता में हाल में हुए बदलावों, खासकर अमेरिका के जवाबी टैरिफ ने अमेरिकी बाजार में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए रणनीतिक अवसर खोले हैं। उधर, एक्सिस कैपिटल ने कहा, भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थिति मजबूत कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में मूल्य संवर्धन 30 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी पहुंच गया है।

टैरिफ युद्ध के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल, उतार–चढ़ाव से ऐतिहासिक रहा वॉल स्ट्रीट का यह सप्ताह

वॉशिंगटन। टैरिफ युद्ध की आशंकाओं के बीच शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल आया। हालांकि अमेरिकी डॉलर के गिरते मूल्य और वित्तीय बाजार के उतार–चढ़ाव ने संकेत दिया है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ वार से बाजार में डर का माहौल है। एसएंडपी 500 में 1.8 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। वहीं डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 340 अंकों की गिरावट से शुरू होकर 810 अंकों की बढ़त तक पहुंचा और फिर 619 अंकों या 1.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक कंपोजिट में 2.1 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। कुल मिलाकर शुक्रवार को एसएंडपी 500, 95.31 अंक बढ़कर 5,363.36 पर पहुंच गया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 619.05 चढ़कर 40,212.71 पर पहुंच गया, और नैस्डैक कंपोजिट 337.14 चढ़कर 16,724.46 पर पहुंच गया। माना जा रहा है कि शेयरों में उछाल की वजह अमेरिकी बॉन्ड बाजार से थोड़ा दबाव कम होना है। 10 साल के ट्रेजरी पर प्रतिफल सुबह 4.58 प्रतिशत से ऊपर चला गया, जो एक सप्ताह पहले 4.01 प्रतिशत था। हालांकि दोपहर तक यह 4.48 प्रतिशत पर वापस आ गया। इस तरह के उछाल से अमेरिका में घरों और व्यवसायों को दिए जाने वाले मॉर्गेज और अन्य कर्जों की दरें बढ़ सकती हैं। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी।

अमेरिकी उपभोक्ता डरे, मंदी की आशंका बढ़ी

बाजार के विशेषज्ञ आशंका जता रहे हैं कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वार के चलते अमेरिका के बाहर के निवेशक अपने यूएस बॉन्ड बेच सकते हैं। हेज फंड और अन्य नुकसान को कवर करने के लिए वे ऐसा कर सकते हैं। इससे दुनिया के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले बाजार अमेरिकी बाजार की प्रतिष्ठा पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। शुक्रवार को यूरो से लेकर जापानी येन और कनाडाई डॉलर के मुकबाले यूएस डॉलर की कीमतें गिर गईं। व्यापार युद्ध के चलते अमेरिकी उपभोक्ता संशकित हैं और इससे उनके खर्च प्रभावित हो सकते हैं। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 14.4 फीसदी घटकर 11 महीने के निचले स्तर पर, व्यापार युद्ध का असर

नई दिल्ली। टैरिफ वार के बीच शेयर बाजारों में उथल–पुथल के कारण इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 14.4 फीसदी घटकर मार्च, 2025 में 11 महीने के निचले स्तर 25,082.01 करोड़ रुपये पर आ गया। इससे पहले मार्च, 2024 में सबसे कम 22,633 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। गिरावट के बावजूद मार्च लगातार 49वां महीना है, जब इस श्रेणी में निवेश जारी है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह लगातार तीसरा महीना है, जब इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में गिरावट आई है। दिसंबर, 2024 में निवेशकों ने इस श्रेणी में 41,156 करोड़ का निवेश किया था, जो जनवरी में घटकर 39,687 करोड़ और फरवरी में 29,303 करोड़ रुपये रह गया। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश मामूली घटकर मार्च, 2025 में 25,926 करोड़ रह गया। यह नवंबर, 2024 के बाद चार महीने का निचला स्तर है। उस समय एसआईपी में 25,320 करोड़ निवेश आया था। फरवरी, 2025 में यह आंकड़ा 25,999 करोड़ रुपये रहा था। मार्च में एसआईपी खातों की कुल संख्या फरवरी के 8.26 करोड़ से घटकर 8.11 करोड़ रह गई। इसका मतलब है कि बीते महीने करीब 15 लाख एसआईपी खाते बंद हुए।घ्इस दौरान 40.18 लाख से अधिक नए एसआईपी खाते पंजीकृत भी हुए हैं। इक्विटी श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड में सर्वाधिक 5,615 करोड़ का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 4,092 करोड़, मिडकैप में 3,439 करोड़ और मल्टीकैप में 2,753 करोड़ का निवेश। लार्ज–मिडकैप में 2,718 करोड़ का निवेश आया। फरवरी में सबसे ज्यादा 5,712 करोड़ का निवेश पाने वाले सेक्टोरल फंड में लोगों ने मार्च में सिर्फ 170 करोड़ रुपये लगाए।

हर हाल में जीत हासिल करना चाहेगी सनराइजर्स हैदराबाद, सामने होगी पंजाब किंग्स की चुनौती

आईपीएल 2025 का 27वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद वापसी करने के इरादे से उतरेगा। पहले मैच में दमदार जीत हासिल करने के बाद पैट कमिंस ने नेतृत्व वाली टीम ने लगातार चार मैच गंवाए हैं। वहीं दूसरी तरफ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली पंजाब किंग्स की टीम तीन जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स की भिड़ंत अभी तक 23 बार हुई है जिसमें 16 मैच जीतकर एसआरएच ने अपना दबदबा बनाया हुआ है। वहीं पंजाब किंग्स को हैदराबाद के खिलाफ 7 जीत मिली है। इस सीजन पंजाब किंग्स अलग दिखाई दे रही है। ऐसे में उनकी नजरें इस रिकॉर्ड को सुधारने पर होगी।

राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम हाईस्कोरिंग मुकाबलों के लिए मशहूर है, लेकिन इस सीजन यहां जैसे–जैसे मैच खेले जा रहे हैं वैसे–वैसे स्कोरबोर्ड पर रनों की कमी देखने को मिल रही है। एसआरएच ने राजस्थान के खिलाफ सीजन केपहले ही मुकाबले में 286 रन बोर्ड पर लगाए थे, लेकिन उसके बाद लखनऊ के खिलाफ 200 रन भी नहीं बने और गुजरात के खिलाफ तो टीम के 150 तक पहुंचने में पसीने छूट गए। हालांकि, आज के मैच में फैंस को एक बार फिर हाईस्कोरिंग मुकाबला मिलने की उम्मीद है। यहां टॉस जीतकर पहले टीमें बल्लेबाजी करना पसंद करती हैं।

SRH संभावित प्लेइंग 11– अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नितीश रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, कामिंडु मेंडिस/एडम ज़म्पा, पैट कमिंस, हर्षल पटेल, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर/जीशान अंसारी।

PBKS संभावित प्लेइंग 11– प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, श्रेयस अय्यर, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, शशांक सिंह, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

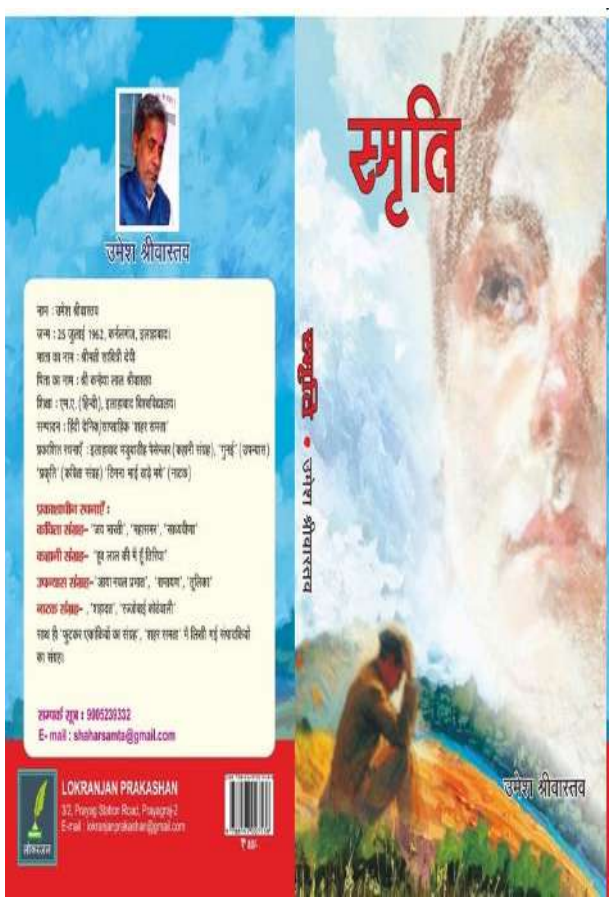

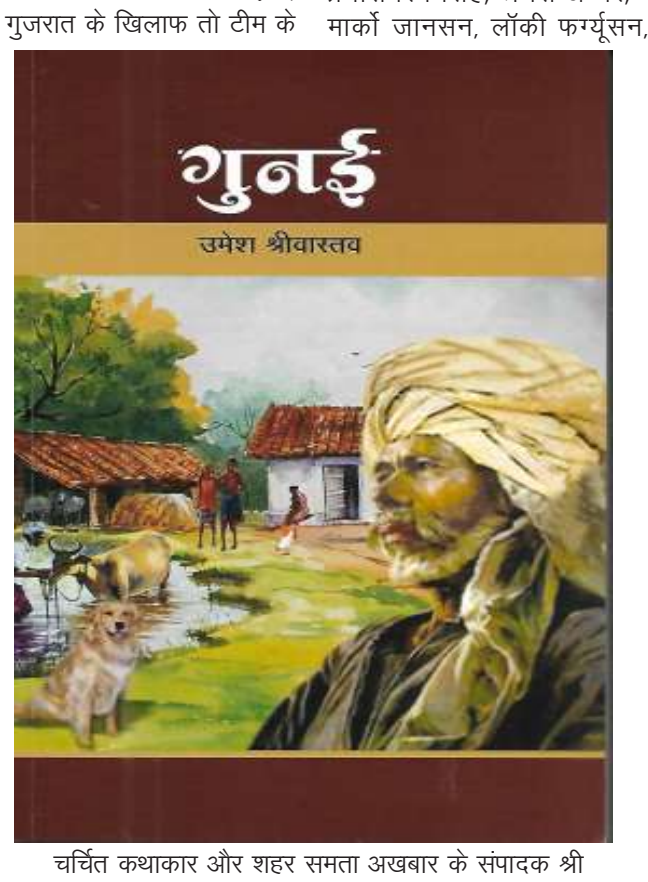

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

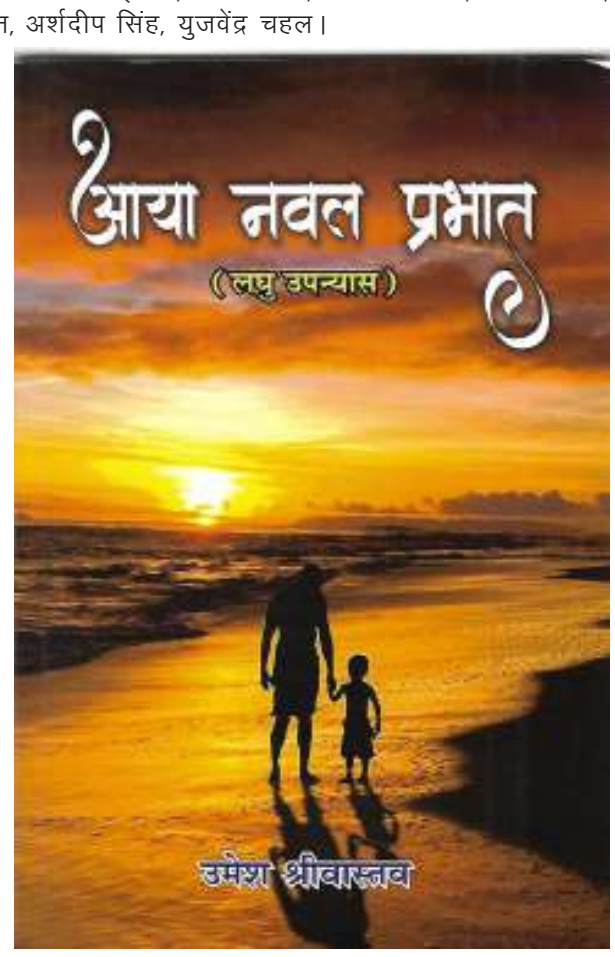

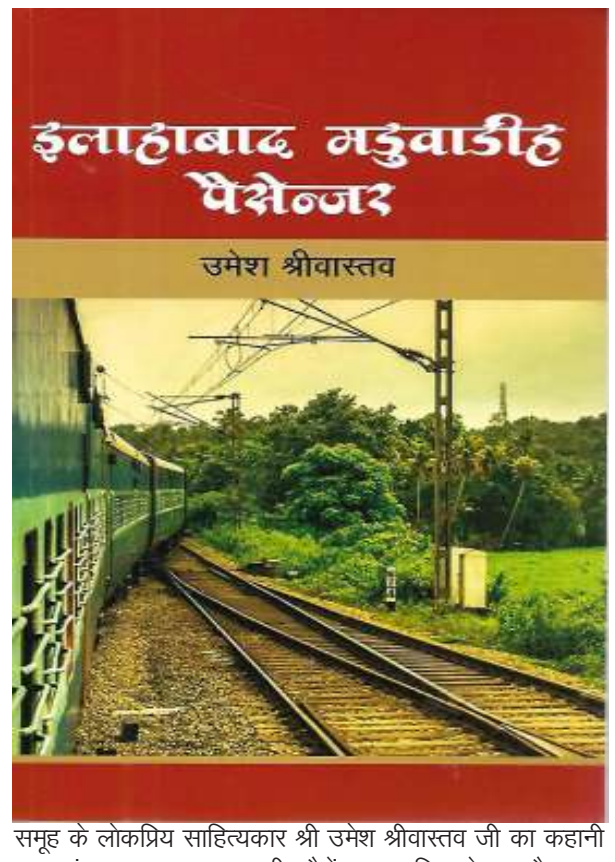

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

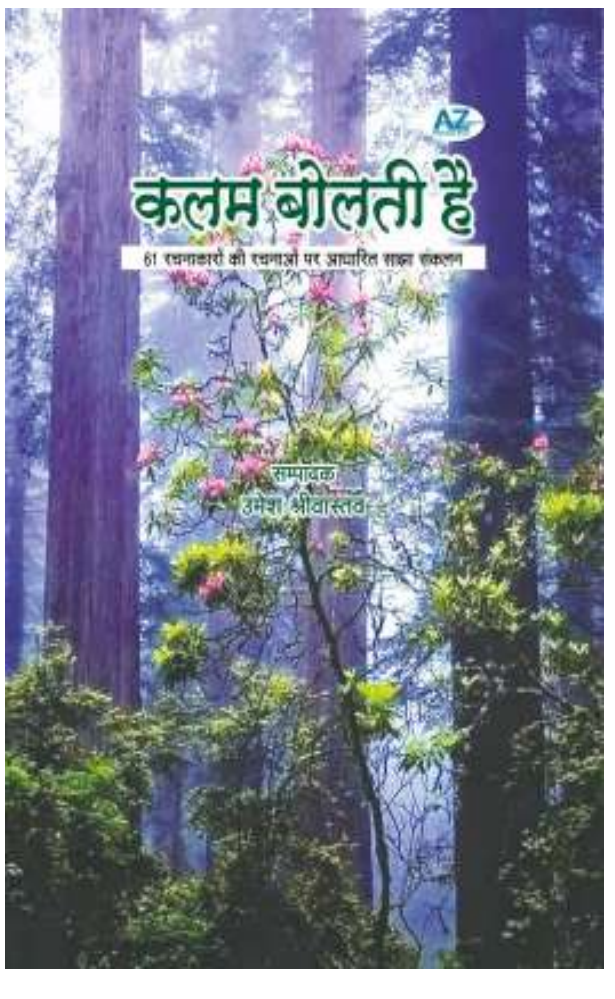

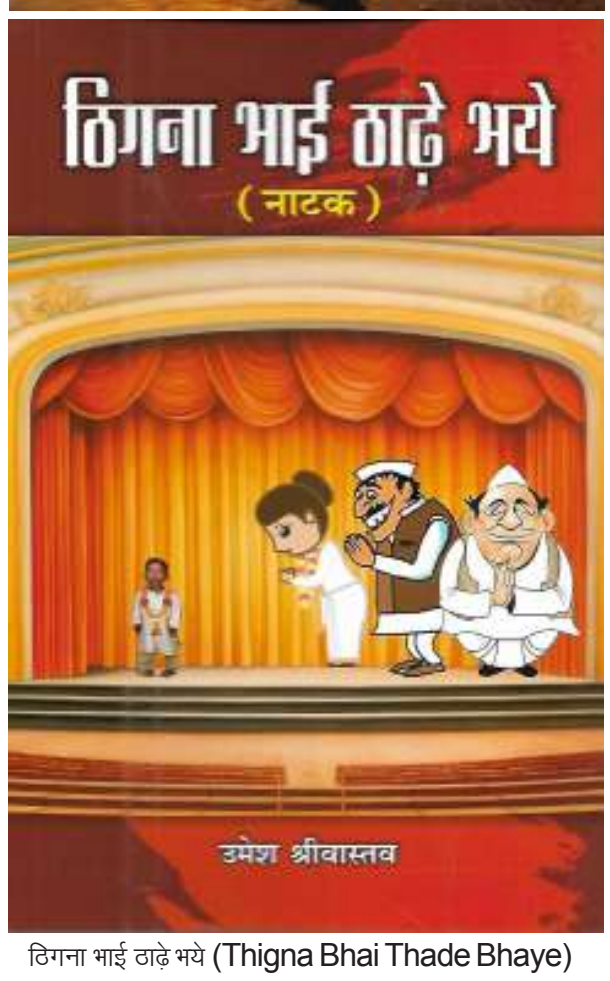

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

कनाडा के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में भी हिंसा, दूतावास की दीवारों पर रंग पोते, एक्शन में भारत

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास में गुरुवार को तोड़फोड़ की गई, 344 सेंट किल्डा रोड पर स्थित वाणिज्य दूतावास भवन के सामने के प्रवेश द्वार पर भित्तिचित्र पाए गए। कैनबरा में भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को उठाया और एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा मेलबर्न में भारत के महावाणिज्य दूतावास के परिसर में उपद्रवियों द्वारा की गई तोड़फोड़ की घटना को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और वाणिज्य दूतावास परिसर और कर्मियों

की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। समाचार पोर्टल ने कहा कि इस घटना ने भारतीय–ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं, जिन्होंने मेलबर्न में हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की जाने वाली घटनाओं की बढ़ती प्रवृत्ति पर निराशा व्यक्त की है। एक भारतीय–ऑस्ट्रेलियाई ने कहा कि यह दीवार पर लिखें महज नारे नहीं है– यह हमारे समुदाय को डराने–धमकाने का संदेश है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों पर बार–बार होने वाले हमले अत्यंत दुखद हैं। विक्टोरिया की प्रीमियर जेसिंटा एलन सरकार ने इस वर्ष घृणा या धार्मिक पूर्वाग्रह से प्रेरित कृत्यों के लिए दंड को कड़ा करने हेतु निंदा–विरोधी कानून पारित किया। पुलिस प्रवक्ता ने घटना का ब्यौरा साझा करते हुए कहा कि अधिकारियों का मानना घ्छै कि इमारत के सामने के प्रवेश द्वार पर बुधवार 9 और गुरुवार 10 अप्रैल के बीच किसी रात भित्तिचित्र बनाया गया था। नुकसान की जांच जारी है। यह ऑस्ट्रेलिया में पहली भारत विरोधी घटना नहीं है, क्योंकि 2023 में विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा के तुरंत बाद ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर झंडे बंधे पाए गए थे। एक अन्य घटना में उपद्रवियों ने सिडनी में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया।

अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

दक्षिण फ्लोरिडा में एक छोटा विमान शुक्रवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान एक प्रमुख अंतरराज्यीय राजमार्ग और रेल पटरियों के पास पूर्वाह्न करीब सवा दस बजे गिर गया। संघीय विमानन प्रशासन ने विमान की पहचान सेसना 310 के रूप में की है। बोका रैटन

अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार सभी तीन लोगों की इस हादसे में मौत हो गई और जब विमान जमीन पर गिरा तो उसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। बोका रैटन के मेयर स्कॉट सिंगर ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है।

ऑनलाइन वीडियो और पोस्ट लिखकर डोनाल्ड ट्रंप और सरकारी अधिकारियों की हत्या की दी धमकी, युवक पुलिस हिरासत में

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का लगातार विरोध हो रहा है। इस बीच एक युवक ने ऑनलाइन वीडियो और संदेश पोस्ट करके ट्रंप और सरकारी अधिकारियों को हत्या करने की धमकी दे दी। न्याय विभाग ने कहा कि युवक पर लगे आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी 32 वर्षीय शॉन मोनपर को हिरासत में ले लिया है। न्याय विभाग ने कहा कि एफबीआई को एक यूजर की ओर से पोस्ट की गई धमकियों के बारे में संदेश

मिला। मिस्टर सैटन नामक खाते से पोस्ट किए गए वीडियो का आईपी एड्रेस चेक किया गया तो वह शॉन मोनपर का घर निकला। शॉन मोनपर पेंसिलवेनिया का रहने वाला है, जहां चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप पर हमला किया गया था। जांच में सामने आया कि ट्रंप के शपथ लेने के बाद मोनपर ने एक कमेंट किया कि उसने शस्त्र लाइसेंस प्राप्त कर लिया है। उसने कई बंदूकें खरीद लीं हैं और वह गोला–बारूद जमा कर रहा है। इसके बाद 17 फरवरी को उसने पोस्ट किया कि हमें बस लोगों को मारना शुरू करना होगा। ट्रंप, एलन, ट्रंप द्वारा नियुक्त सभी एजेंसियों के प्रमुखों और जो भी इस काम में बाधा बन रहा है। याद रखें, हम बहुसंख्यक हैं। एमएजीए देश में अल्पसंख्यक है और जब तक कदम उठाने का समय आएगा, तब तक वे कमजोर हो चुके होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

गैर–जिम्मेदाराना बयान वापस लें, गाजा मसले को लेकर कनाडाई पीएम के बयान पर भड़के नेतन्याहू

यरुशलम। गाजा में संघर्ष का रूप दिन–प्रतिदिन और भयावह होता हुआ जा रहा है, जिसको लेकर पूरी दुनिया में चर्चा तेज है। इसी बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के हाल ही में गाजा को लेकर दिए गए बयान से नाराजगी जताई है। साथ ही उनसे अपने बयान के लिए माफी मांगने की मांग की है। बता दें कि चुनावी रैली के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री के संबोधित कर रहे थे, जिस दौरान भीड़ में खड़े एक व्यक्ति ने इस्राइल पर आरोप लगाया कि इस्राइल में नरसंहार हो रहा है। मामला गाजा में चल रहे संघर्ष का है और यह घटना तब हुई जह एक चुनावी रैली के दौरान भीड़ में मौजूद एक प्रदर्शनकारी ने चिल्लाकर कहा कि कार्नी फलस्तीन में नरसंहार हो रहा है...इसके जवाब में पीएम कार्नी ने कहा कि धन्यवाद मुझे पता है....। इसके साथ ही कार्नी ने ये भी कहा कि यही कारण है कि हमारे पास हथियार प्रतिबंध है।

कार्नी के जवाब पर भड़के नेतन्याहू

कनाडा के पीएम के इस जवाब पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कड़ी प्रतिक्रिया आई है। नेतन्याहू ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मार्क कार्नी को अपना गैर–जिम्मेदाराना बयान वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कनाडा ने हमेशा सभ्यता और सच्चाई का साथ दिया है और कार्नी को भी यही करना चाहिए।

इस्राइल का समर्थन करे कार्नी– नेतन्याहू

नेतन्याहू ने ये भी कहा कि इस्राइल एकमात्र यहूदी राज्य है जो हमास के खिलाफ न्यायपूर्ण तरीके से युद्ध लड़ रहा है। कार्नी को उसे समर्थन देना चाहिए, ना कि उस पर हमला करना। हालांकि नेतन्याहू के इस प्रतिक्रिया पर मार्क कार्नी ने अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने नरसंहार शब्द नहीं सुना और वह केवल हथियारों पर लगे प्रतिबंध का जिक्र कर रहे थे। गौरतलब है कि 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के प्रतिशोध के साथ शुरू हुए इस संघर्ष ने फलस्तीन में भाड़ी तबाही मचा दी। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट की माने तो अब तक इस युद्ध में 50000 से ज्यादा फलस्तीनी लोग मारे जा चुके है। वहीं लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

अमेरिका को बेवकूफ बना रहे, चीन से उनकी मिलीभगत, मेटा की पूर्व अधिकारी का जुकरबर्ग पर आरोप

वॉशिंगटन। मेटा के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग पर उनकी ही कंपनी की एक पूर्व कार्यकारी अधिकारी ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेटा ने चीन में अपनी व्यावसायिक उपस्थिति के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया। मार्क जुकरबर्ग अमेरिकियों को बेवकूफ बना रहे हैं। जबकि चीन से उनकी मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि मेटा के अधिकारियों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को अमेरिकियों समेत तमाम यूजर्स के डाटा तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति दी। अपराध और आतंकवाद निरोध पर सीनेट न्यायपालिका उपसमिति के सीनेटर जोश हॉले के नेतृत्व में की गई सुनवाई के दौरान साराह व्यान–विलियम्स ने मार्क जुकरबर्ग पर कई आरोप लगाए। मीडिया रिपोर्ट में सीबीएस न्यूज के हवाले से कहा गया कि सुनवाई के

दौरान साराह व्यान–विलियम्स ने बयान दिया कि मैंने मेटा के अधिकारियों को कई बार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करते और अमेरिकी मूल्यों के साथ विश्वासघात करते देखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेटा ने चीन की सरकार के लिए कस्टम सेंसरशिप टूल बनाए। इससे कंटेट मॉडरेशन पर व्यापक नियंत्रण हुआ। व्यान विलियम्स ने कहा कि मेटा ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के आलोचकों को चुप कराने के लिए बीजिंग के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल लामा का इस्तेमाल चीनी एआई कंपनी डीपसीक की मदद के लिए किया गया था।

व्यान विलियम्स को रोकने की कोशिश की गई

सीनेटर ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि मेटा ने व्यान विलियम्स को गवाही देने से रोकने की कोशिश की। ऐसा क्या है जो फेसबुक गवाह को बताने से रोकना चाहती है? उन्होंने कहा कि मार्क जुकरबर्ग ने सबसे बड़ी चाल चली। उन्होंने खुद पर अमेरिकी झंडा लपेट लिया और खुद को देशभक्त बताया। जुकरबर्ग कहते हैं कि वे चीन में अपनी सेवाएं नहीं देते, जबकि उन्होंने पिछले एक दशक में वहां 18 बिलियन डॉलर का कारोबार खड़ा किया है।

मेटा ने किया दावों का खंडन

मेटा ने व्यान विलियम्स की गवाही का खंडन किया है। मेटा ने कहा कि उनकी गवाही वास्तविकता से अलग है। उनके दावे झूठे हैं। कंपनी के प्रवक्ता रयान डेनियल्स ने कहा कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कई बार चीन में अपनी सेवाएं देने में कंपनी की रुचि के बारे में सार्वजनिक रूप से कहा है। हम आज भी चीन में अपनी सेवाएं संचालित नहीं करते हैं।

पाकिस्तान में 29 मिनट में दो बार आया भूकंप, 5.5 और 5.8 रही तीव्रता; जम्मू-कश्मीर में भी कांपी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार को आधे घंटे के अंतराल में भूकंप के दो तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.5 और 5.8 मापी गई। पहला झटका दोपहर 12.31 बजे और दूसरा झटका एक बजे महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, दोपहर एक बजे आए भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप का असर भारत में जम्मू–कश्मीर समेत कुछ अन्य हिस्सों तक महसूस किया गया। हालांकि, अब तक भूकंप की वजह से किसी भी तरह के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले समाचार एजेंसी पीटीआई ने राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) के हवाले से बताया कि पहला झटका 12.31 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में जमीन की सतह से 12 किलोमीटर की गहराई में था। इसकी तीव्रता 5.5 बताई गई। भूकंप के झटके पंजाब के अटक, चकवाल और मियांवाली जिलों और आस–पास के इलाकों में महसूस किए गए। इसके अलावा पेशावर, मर्दन, मोहमंद और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शबकदर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान में अक्सर अलग–अलग तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। सबसे घातक भूकंप 2005 में आया था, जिसमें 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे। इससे पहले 9 अप्रैल को ताइवान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। केंद्रीय मौसम विभाग ने भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई थी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक, 5.0 तीव्रता का भूकंप यिलान के दक्षिण–दक्षिणपूर्व में पूर्वोत्तर तट पर लगभग 21 किलोमीटर (12 मील) की दूरी पर आया। इसका केंद्र जमीन की सतह से 69 किलोमीटर (43 मील) गहराई में था। इससे पहले थाईलैंड और म्यांमार में 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप ने खूब तबाही मचाई थी। त्रासदी में अब तक करीब 4000 लोगों की जान जा चुकी है। 7.7 तीव्रता के भूकंप ने देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया था। इससे छह राज्यों को काफी नुकसान पहुंचा था। भूकंप के कारण कई इलाकों में बिजली, टेलीफोन या सेल कनेक्शन ध्वस्त हो गए थे। सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे।

अमेरिका–यूरोप–चीन को ट्रेड वॉर के बीच जयशंकर ने दिखाया आईना

अमेरिकी नीति में गहन परिवर्तनों का एक उदाहरण न्यूनिक सुरक्षा परिषद सुरक्षा सम्मेलन में उपराष्ट्रपति का भाषण रहा है। वास्तव में मेरे

विचार से उससे पहले भी एक बहुत ही प्रभावशाली भाषण था। जिसे शायद उतना ध्यान नहीं मिला। जो पेरिस में एआई एक्शन समिट में था। जो म्यूनिख से कुछ दिन पहले था। तो संयुक्त राज्य अमेरिका में परिवर्तन, जिससे आप सभी परिचित हैं। तो मुझे लगता है कि पिछले वर्ष में एक बड़ा बदलाव है। लेकिन दूसरा बदलाव है और वो एक विकास है जिसे आप कह सकते हैं कि ये कुछ ऐसा है जो दिखाई देता है, भले ही ये अधिक नाटकीय घटनाओं के बजाए एक खुलासा न हो और वो चीन की उन्नति है। तो ये निश्चित रूप से व्यापार के संबंध में हुआ है। हमने व्यापार की कहानी के रूप में कई तरीकों से जो देखा वो तकनीक की कहानी भी रही है। जयशंकर ने कहा कि भारत के साथ संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर रखे गए प्रस्ताव पर ट्रंप प्रशासन ने तेजी से प्रतिक्रिया दी है। जयशंकर ने यहां आयोजित वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के एक संवाद सत्र में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने दुनिया के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया है और इसका प्रत्येक प्रमुख क्षेत्रों, खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में असर है। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शुल्क पर ट्रंप की नीति ने बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाओं को जन्म दिया है। ट्रंप ने चीन को छोड़कर सभी देशों पर शुल्क लगाने के अपने फैसले को 90 दिनों के लिए टालने की घोषणा कर दी है। इससे व्यापार गतिरोध में तात्कालिक राहत मिलने की उम्मीद है। जयशंकर ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का कोई ब्योरा न देते हुए संकेत दिया कि भारत इसे जल्द–से–जल्द तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को उत्सुक है। जयशंकर ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का कोई ब्योरा न देते हुए संकेत दिया कि भारत इसे जल्द–से–जल्द तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को उत्सुक है।

दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति ने खाली किया अपना आधिकारिक आवास, घर के लिए रवाना होते हुए समर्थकों को लगाया गले

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल शुक्रवार को सियोल में राष्ट्रपति निवास से अपने निजी घर के लिए रवाना हो गए। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। यून और उनकी पत्नी 11 कुत्तों और बिल्लियों के साथ दक्षिणी सियोल में निजी अपार्टमेंट में लौट आए। जब घ्घ्पूर्व राष्ट्रपति की वैन राष्ट्रपति परिसर के गेट पर पहुंची, तो वे मुस्कुराते हुए बाहर निकले और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाया। उन्होंने दर्जनों समर्थकों से हाथ मिलाया और

गले भी मिले। अपने अपार्टमेंट में पहुंचने के बाद, वह समर्थकों की भीड़ के बीच से धीरे–धीरे आगे बढ़े, उनके नाम के नारे लगाते हुए उनसे हाथ मिलाया, उनकी पत्नी भी उनके पीछे–पीछे चल रही थीं। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस–पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली–जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। यूं ने एक वीडियो संदेश में अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वतंत्र और समृद्ध कोरिया गणराज्य बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश जारी रखेंगे जिसका हमने साथ मिलकर सपना देखा है, दक्षिण कोरिया के औपचारिक नाम का आह्वान करते हुए। यून रूढ़िवादी जिसने 2022 का चुनाव संकीर्ण रूप से जीता, ने 3 दिसंबर को देर रात टेलीविजन पर मार्शल लॉ की घोषणा की, जिसमें उसने "राज्य विरोधी" उदारवादियों को मिटाने की कसम खाई, जिन पर उसने अपने एजेंडे को बाधित करने के लिए अपने विधायी बहुमत का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विधायी गतिविधियों को निलंबित करने की भी घोषणा की और नेशनल असेंबली को घेरने के लिए सैकड़ों सैनिकों को भेजा, लेकिन सांसदों ने फिर भी कोरम बनाने में कामयाबी हासिल की और मार्शल लॉ लागू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे हटाने के लिए मतदान किया।

ट्रंप प्रशासन की अप्रवासियों को निकालने की बेरहम योजना, 6000 जीवित लोग मृत घोषित

वॉशिंगटन। अप्रवासियों को लेकर सख्ती बरत रहे ट्रंप प्रशासन ने छह हजार अप्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक कठोर कदम उठाया है। दरअसल अमेरिकी सरकार ने इन 6000 जीवित अप्रवासियों को मृत घोषित कर उनके सामाजिक सुरक्षा नंबर रद्द कर दिए हैं। इसका असर ये होगा कि ये लोग अब न अमेरिका में काम कर सकेंगे, न ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। बैंक खाता खोलने में भी परेशानी होगी। दरअसल सरकार चाहती है कि परेशान होकर अप्रवासी खुद ही अमेरिका छोड़कर अपने–अपने देश लौट जाएं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।